INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-347 | मथुरा, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

एक फैसला... एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत, वारदात से ग्रामीण इलाके में फैली सनसनी

एक कमरे में बुझ गई पूरे परिवार की जिंदगी

छतों से देखती महिला और ग्रामीणों की भीड़।

एम्बुलेंस की ओर शव को ले जाते पुलिसकर्मी।

मृतक मनीष के घर के बाहर जानकारी लेते एसएसपी श्लोक कुमार।

मृतक मनीष और पत्नी सीमा (फाइल फोटो।)

हृदय विदारक घटना के बाद बिलखते परिवारीजन।

हनी, प्रतीक व बहन प्रियांशी का फाइल फोटो।

पुलिस और प्रशासनिक हल्कों में मचा हड़कंप

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र के गांव खप्परपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से गांव ही नहीं आस–पास के इलाके में सनसनी फैल गई। इस वारदात का पता लगने पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सबूत एकत्रित किए हैं। पुलिस इस घटना को कई एंगलों से देख रही है। मंगलवार को गांव खप्परपुर में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक परिवार के पांच लोगों के शव एक कमरे में पड़े मिले। बताया गया कि मनीष के मकान के पास उसके भाई का मकान है। प्रातः जब मनीष के बच्चे काफी देर बाद भी घर के बाहर नहीं आए तो भाई जानकारी के लिए गेट फांद कर अंदर गया। कमरे का अंदर से दरवाजा बंद था। काफी प्रयास के बाद भी जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़ अंदर का दृश्य देखा तो उसके होश उड़ गए। मनीष का पूरा परिवार मृत पड़ा था। मनीष के परिवार की इस तरह हुई मौत का पता लगते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीण घटना की जानकारी के लिए मनीष के मकान पर पहुंच गए। पुलिस को भी सूचना दी गई। थाना महावन प्रभारी ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। मौके पर पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। घटनास्थल से सबूत एकत्रित किए गए। पुलिस को कमरे में बनी किचन की दीवार पर सुसाइड नोट लिखा मिला जिसमें लिखा था मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मर रहे हैं। पुलिस किसी को परेशान न करे। एक दूसरा इसी तरह का सुसाइड नोट कागज पर लिखा मिला। इसके साथ ही मनीष ने मरने से पहले एक वीडियो भी बनाई जिसमें उसने अपनी मर्जी से मरने और किसी को पुलिस द्वारा परेशान न करने के साथ–साथ प्लॉट खरीदने वाले को भी इस मामले में परेशान न करने की बात कही है।

एम्बुलेंस से पांचों शव को मोर्चरी लाया गया

यूनिक समय, मथुरा। तीन बच्चों और माता–पिता के शवों को काले रंग के बैगों में भरकर एक एम्बुलेंस पुलिसकर्मियों के साथ मोर्चरी पहुंची। पुलिस ने पांचो शवों को एम्बुलेंस से उतरवा कर मोर्चरी में रख दिया। उस समय मनीष के परिवार का कोई भी व्यक्ति साथ नहीं था।

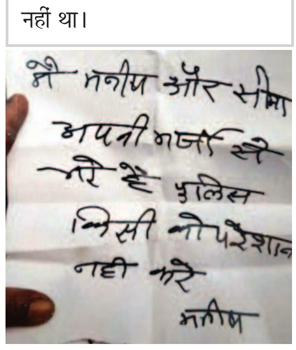

मृतक का लिखा सुसाइड नोट।

पोस्टमार्टम गृह पर पहुंचे कमिश्नर नगेंद्र प्रताप और डीएम सीपी सिंह।

कमिश्नर और एडीजी भी मौके पर पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। गांव खप्परपुर में हुई इस सनसनीखेज वारदात की जानकारी होने पर आगरा मंडल के कमिशनर और एडीजी ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी की। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी की। आगरा मंडल के कमिश्नर नगेंद्र प्रताप सिंह एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ट भी गांव खप्पर पहुंच गए। उन्होंने अधिकारियों से इस घटना पर बातचीत की और प्रकरण की गहराई से जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

एसएसपी ने हर एंगल से जांच कराने को कहा

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद बताया कि वीडियो की भी जांच कराई जाएगी। पुलिस इस मामले में सभी एंगलों से जांच करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

कमरे का दृश्य भी दिल दहलाने वाला था

तीन बच्चे और माता–पिता के शव देख लोगों की कांप रही थी रूह

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मनीष के कमरे का दृश्य बड़ा ही वीभत्स था। देखने वालों की रूह कांप रही थी। कमरे में तीन बच्चे और पति–पत्नी अलग–अलग पड़े हुए थे। मनीष का परिवार जिस कमरे में रहता था वो कमरा 10 बाई 15 फीट का बताया जा रहा है। कमरे में ही किचन है। इसके साथ ही वहां एक चारपाई और एक बेड पड़ा हुआ था। किचन की दीवार पर सुसाइड नोट लिखा हुआ था। इसके साथ ही चारपाई पर मनीष की पांच साल की बेटी हनी पड़ी हुई थी। इसके साथ ही बेड पर बेटा प्रतीक (2) और बेटी प्रंयाशी और उसकी पत्नी सीमा (32) पड़ी हुई थी। मनीष का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। पति के हाथ जले हुए थे। सीमा के सिर पर चोट का निशान था। इसके साथ ही वहां खून से सना एक मूसल और रस्सी भी मिले। वहां ग्लास भी मिले। ग्लासों में दूध के निशान मिले।

पोस्टमार्टम गृह पर बैगों में रखे परिवार के तीन बच्चों और माता पिता के शव।

सेवायतों ने ली शपथ, नहीं सौंपेंगे मंदिर न ही सौंपेगे अपने पुश्तैनी मकानों को

कॉरिडोर के विरोध में सामूहिक रूप से शपथ लेते स्थानीय निवासी और सेवायत।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर परियोजना को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पीड़ित स्थानीय निवासियों और सेवायतों ने मंदिर के चबूतरे पर हाथ उठाकर अपने पुश्तैनी मकान और मंदिरों को न सौंपने की सामूहिक शपथ ली। इसके चलते प्रशासन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ भूमाफियाओं के साथ मिलकर उन्हें मानसिक दबाव में लिया जा रहा है। स्थानीय निवासी सोहन लाल मिश्र ने कानूनी सवाल उठाते हुए कहा, सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि कॉरिडोर निर्माण के लिए मंदिर के कोष से धन दिया जाएगा और रजिस्ट्री भी ठाकुर जी के नाम होगी। ऐसे में प्रशासन अपने नाम रजिस्ट्री कैसे करा सकता है? अब तक हुई रजिस्ट्रियां अवैध और दबावपूर्ण हैं। स्थानीय महिला राधा मिश्रा ने प्रशासन पर भ्रम फैलाने और डरा-धमकार जमीनों को हथियाने का आरोप लगाया। भीड़ प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए शशि पहलवान ने तर्क दिया कि प्रशासन जानबूझकर कृत्रिम भीड़ का दबाव दिखाता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था लागू हो जाए, तो श्रद्धालुओं को बिना कॉरिडोर के भी सुगम दर्शन कराए जा सकते हैं।

रोडवेज बस को पुल से ले जाने पर चालक-परिचालक पर आर्थिक दंड

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस को ओवर ब्रिज से ले जाने पर चालक और परिचालक पर आर्थिक दंड लगाया गया है। हुआ यूं कि छाता निवासी पत्रकार गुलाब सिंह सात फरवरी को पलवल-छाता मार्ग पर संचालित ताज डिपो की बस संख्या यूपी 78 केटी 3024 से यात्रा कर रहे थे। उस दिन बस को छाता में पुल के नीचे से न ले जाकर पुल (ओवर ब्रिज) से ले जाया गया। विरोध करने पर चालक-परिचालक नहीं माने। गुलाब सिंह ने ताज डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक से शिकायत की। शिकायत की केंद्र प्रभारी से जांच कराई गई, लेकिन चालक-परिचालक ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को दे दी। उन्होंने बस चालक-परिचालक पर तीन-तीन सौ रुपये आर्थिक दंड लगाया। भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न करने की चेतावनी दी। गौरतलब है कि यूपी रोडवेज के ईदगाह डिपो, ताज डिपो, मथुरा डिपो समेत अन्य बसें मथुरा जिले में निर्धारित स्थानों पर न रुककर पुल से होकर जाती है। इस कारण यात्रियों को बड़ी परेशानी होती है। यात्रियों की शिकायत रहती है कि दिन में कोई बात नहीं, लेकिन रात में तो बस चालक-परिचालक अंधेरे में पुल के पास उतारकर यात्रियों को चलते बनते हैं। भले ही यात्रियों के साथ कोई हादसा क्यों न हो जाए। कभी-कभी तो किसी आपराधिक वारदात का खतरा बना रहता है।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

12 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,61,500

22 कैरेट 1,48,580

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

जिले में शुरू हुआ राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान

बच्चों को खिलाई गई दवा

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-3, बाद में कृमि मुक्ति अभियान की शुरुआत करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-3 बाद में अभियान का शुभारंभ

13 फरवरी को छूटे बच्चों को खिलाई जाएगी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का शुभारंभ मंगलवार से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ के निर्देशन में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-3, बाद में किया गया। यहां बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई। अभियान के तहत शहर और गांवों के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों, मदरसों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को कृमि से बचाव की दवा दी गई, जो बच्चे किसी कारण से दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड में दवा खिलाई जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरों में पेट के कीड़े होने का खतरा अधिक रहता है। पेट के कीड़े शरीर से पोषण ले लेते हैं, जिससे बच्चे ठीक से खाना खाने के बाद भी कमजोर और कुपोषित रह जाते हैं। इसी कारण कृमि मुक्ति अभियान के माध्यम से दवा खिलाई जा रही है। जिला सामुदायिक प्रक्रिया समन्वयक डॉ. पारुल शर्मा ने बताया कि यह अभियान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा शिक्षकों के सहयोग से चलाया जा रहा है। 1 से 5 वर्ष तक के पंजीकृत बच्चों और 6 से 19 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले बच्चों, ईंट-भट्टों पर काम करने वाले और रास्ते में चल रहे बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा दी गई। वहीं स्कूल, मदरसे और किशोर गृहों में 6 से 19 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षकों और संबंधित अधिकारियों द्वारा दवा खिलाई जाएगी। इस मौके पर प्रधानाचार्य मुनेश कुमार, उप प्रधानाचार्य दिनेश पटेल, माधुरी, फौजिया खान, डॉ. राकेश सिकरवार, संजय सिहोरिया, डॉ. पंकज, डॉ.अनुज, आलोक शेखर आदि मौजूद थे।

आयुक्त नगेन्द्र प्रताप ने टूरिस्ट फेसिलिटी सेंटर का किया औचक निरीक्षण

निरीक्षण करते आयुक्त नगेन्द्र प्रताप व साथ में विप्रा उपाध्यक्ष।

यूनिक समय, मथुरा। आयुक्त, आगरा मण्डल एवं अध्यक्ष, मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण नगेन्द्र प्रताप ने मंगलवार को गोकुल स्थित टूरिस्ट फेसिलिटी सेंटर (टीएफसी), रसखान समाधि एवं वासुदेव वाटिका का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों पर विकसित की जा रही सुविधाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, सचिव आशीष कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता सहित सहायक एवं अवर अभियंता उपस्थित रहे। इसके उपरांत रसखान समाधि स्थित सभागार में मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ निर्माण एवं विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साक्षात्कार यूनिक समय के साथ सीडीओ की एक मुलाकात

आईएएस पूजा गुप्ता की सफलता की कहानी

सीडीओ पूजा गुप्ता

संघर्ष, मेहनत और दृढ़ निश्चय की मिसाल

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी को हाल ही में एक सशक्त और संवेदनशील मुख्य विकास अधिकारी के रूप में आईएएस पूजा गुप्ता मिली हैं। दिल्ली की रहने वाली पूजा गुप्ता की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ निश्चय की मिसाल है। उन्होंने साबित कर दिया कि स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। पूजा गुप्ता ने बीडीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली में रहकर सिविल सेवा की तैयारी की। कड़ी मेहनत के बल पर वर्ष 2019 में उन्होंने आईपीएस परीक्षा उत्तीर्ण की और पुलिस सेवा में चयनित हुईं। एक वर्ष की आईपीएस ट्रेनिंग पूरी करने के बाद भी उन्होंने अपने लक्ष्य को और ऊंचा रखा। लगातार अध्ययन और अनुशासन के साथ उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी जारी रखी। इसका परिणाम वर्ष 2021 में सामने आया जब वह आईएएस अधिकारी बनीं। अपने पारिवारिक जीवन के बारे में बताते हुए आईएएस पूजा गुप्ता ने कहा कि उनके पिता एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। सेवा पूरी होने के बाद सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वहीं उनकी माता दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं। माता-पिता से मिले संस्कारों और मार्गदर्शन से उनको आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली थी। उन्होंने कहा कि बचपन से ही उनका सपना था कि वह एक जिले की अधिकारी बनकर आम जनता की सेवा करें। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता हमेशा कहते थे कि अधिकारी बनकर समाज के लिए कुछ अच्छा करना चाहिए। उन्होंने उसी सोच को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। उनका कहना है कि यदि व्यक्ति किसी उद्देश्य की पूरी ईमानदारी से ठान ले, तो ईश्वर भी उसका साथ देता है। आईएएस बनने के बाद उनकी पहली तैनाती मोदीनगर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के पद पर हुई। वहां उन्होंने प्रशासनिक दायित्वों को गंभीरता से निभाते हुए जनसमस्याओं के समाधान पर ध्यान दिया। आम लोगों से सीधे बात सुनकर समाधान कराया। आईएएस पूजा गुप्ता ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली में सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मथुरा जैसी पावन नगरी में सेवा का अवसर सभी को नहीं मिलता। यह उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है। विकास कार्यों को गति देना और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा रहेगा। उन्होंने कहा कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही दिशा में किया गया प्रयास सफलता की कुंजी होती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता होगी।

13 फरवरी को निकलेगी हिंदू स्वाभिमान यात्रा

यूनिक समय, मथुरा। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हिंदू समाज में जनजागरण के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आगामी 13 फरवरी को मथुरा महानगर में हिंदू स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा संघ कार्यालय से प्रारंभ होकर मसानी चौराहा, डीगगेट, भरतपुर गेट, होलीगेट, टैंक चौराहा, स्टेट बैंक चौराहा एवं गोवर्धन चौराहा होते हुए आनंद लोक कॉलोनी में समापन कार्यक्रम के साथ सम्पन्न होगी, जहां संतों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा में बड़ी संख्या में दोपहिया एवं चौपहिया वाहनों के माध्यम से श्रद्धालु एवं सामाजिक कार्यकर्ता सहभाग करेंगे, जिसमें अनेक प्रमुख संतों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पद्म जी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में केशव भवन में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर विभिन्न जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं। यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक एवं अन्य संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। बैठक में अनुराग चतुर्वेदी, बिजेंद्र सिंह, संदीप शर्मा, शुभ सक्सेना, हर्षित सिसोदिया, गोकुलेश गौतम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक को बाइक सवारों ने मारी टक्कर, मौत

युवक की मौत, बाइक सवार दोनों की हालत चिंताजनक

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैपुराजाट चौकी के वकील ढाबा के निकट बीती रात सड़क क्रास करते युवक को बाइक सवारों ने टक्कर मार दी। युवक की मौत हो गई और बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना फरह के गांव कोह निवासी धारा सिंह बीती रात हाईवे पर रैपुराजाट के वकील ढाबा के समीप रोड क्रॉस कर रहा था। इसी बीच तेज गति से आते बाइक पर सवार दो लोगों ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि धारा सिंह की तो मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार दोनों युवक बुरी तरह से घायल हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों की चिंताजनक हालत को देखते हुए एम्बुलेंस से आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया। धारा सिंह के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेन से कटकर फैक्ट्री कर्मचारी की हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित बैकमेट फैक्ट्री के समीप रेलवे लाइन पार करने के दौरान एक कर्मचारी की मौत हो गई। गौरव कुमार(22) पुत्र गिरवर लाल निवासी पिपरई आश्रम पीली भीत बैकमेट फैक्ट्री में सर्विस कर रहा था। बताया गया कि कल सायं वह अपने कमरे से सब्जी खरीदने के लिए गया। इसके बाद वह लौट कर नहीं आया। उसके रूम पार्टनर ने जब तलाश किया तो पता लगा कि वह रेलवे लाइन पार करते समय किसी ट्रेन से कट गया। उसने गौरव के परिवार को इस दुखद घटना का बारे में सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोग भी गौरव का शव लेने के लिए मोर्चरी आ गए।

होली पर ट्रेनों की सीट फुल, यात्री टेंशन में

यूनिक समय, मथुरा। होली पर अपने घर जाने और छुट्टियों पर पिकनिक मनाने के लिए जाने वालों की वजह से ट्रेनें अभी से हाउस फुल दिखाई दे रही है। भले ही 18 फरवरी से यूपी बोर्ड की परीक्षा शुरू हो रही हैं, लेकिन यात्रा करने वालों की संख्या में कोई कमी दिखाई नही दे रही है। मार्च के पहले सप्ताह में यानि तीन और चार तारीख की होली है। स्कूल कॉलेजों में रविवार से छुट्टी हो जाएंगी। सरकारी कार्यालयों में संभवतः दो मार्च को छुट्टी होगी। इस कारण अनेक लोग अपने घरों पर होली मनाने जाएंगे या फिर किसी स्थान पर छुट्टी मनाने जाएंगे। कई लोगों ने बताया कि अब ट्रेनों में सीट की पोजीशन देखी तो निराशा का सामना करना पड़ा। वजह अधिकांश ट्रेनों में सीट फुल हैं। अब आस बची है तो तत्काल टिकट से। त्यौहार से पहले कैसी पोजीशन होती है, यह उस समय ही पता चलेगा। फिलहाल तो टेंशन है।

राया थाने में तैनात दरोगा की हुई मौत

एटा के रहने वाले थे, परिवार के लोग भी मोर्चरी पहुंचे

कार्यालय संवाददाता

दरोगा प्रमोद कुमार

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया में तैनात उप निरीक्षक की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। परिवार के लोग सूचना मिलने पर मथुरा आ गए। थाना राया में तैनात दरोगा प्रमोद कुमार (55) मूल रूप से गांव कमले थाना जसराना एटा के रहने वाले थे। उनको अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसका पता लगने पर थाना प्रभारी सहित अन्य स्टाफ उन्हें हॉस्पिटल ले गया। चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। दरोगा की हुई मृत्यु के बारे में पुलिस अधिकारियों को बताया गया। इसके साथ ही उनके परिवार को भी इस दुखद घटना की सूचना दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोरचरी भेज दिया गया। उनके घर से आए लोगों ने बताया कि उनके दो बेटे और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा टीचर है और छोटा घर पर खेती करता है।

एक्सप्रेस वे पर छह लोगों को कुचलने वाला कैंटर चालक गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में दुर्घटना करने वाला कैंटर चालक।

संवाददाता

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। यमुना एक्सप्रेस वे पर भीषण दुर्घटना में छह लोगों को कुचलने वाले कंटेनर चालक को कल सुरीर पुलिस ने तलाश करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। यमुना एकसप्रेस वे पर बस की सवारियों पर कंटेनर चढ़ा कर आधा दर्जन से अधिक सवारियों को रौंद कर भागे कंटेनर चालक को सुरीर पुलिस ने सीसी टीवी कैमरों सहित अन्य जानकारियों के आधार पर काफी तलाश किया। पुलिस को आखिरकार उसके गिरफ्तार करने में कल कामयाबी मिल गई। पुलिस को कंटेनर चालक के बारे में सूचना मिली कि वह तेहरा अंडरपास के समीप है। पुलिस ने दबिश देकर वहां से चालक दिनेश पुत्र राकेश निवासी फिरोजाबाद को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी अजय कुमार, उप निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और पुलिस टीम शामिल थी।

सर्राफ की दुकान में हुई चोरी प्रकरण में पुलिस के हाथ खाली

पांच दिन बाद भी नहीं मिली सफलता

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र के शेरगढ़ रोड स्थित एक सर्राफ की दुकान से हुई 35 लाख रुपये की चोरी के मामले में पांच दिन बीतने के बाद भी पुलिस को बदमाशों का सुराग तक नहीं मिल सका है। शेरगढ़ रोड पर रावत ज्वैलर्स की सर्राफ की दुकान है। चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर वहां रखे चांदी और सोने के जेवरात आदि को चोरी कर लिया था। चोरी की वारदात का पता लगने पर व्यापारियों में भारी आक्रोश था। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया था। इसके बाद पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले चोरों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली थी। इस मामले में सीओ छाता ने भी घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस की टीम नियुक्त की थी।

इसके साथ ही पुलिस की एसओजी टीम भी बदमाशों की तलाश कर रही है। पांच दिन बीतने के बाद भी पुलिस की टीमों को अभी तक घटना को अंजाम देने वाले चोरों के बारे में कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस इस मामले में हरियाणा और राजस्थान के इलाकों में भी बदमाशों की तलाशमें लगातार बदमाशों की तलाश कर रही है।

चौकीदार की ड्यूटी के दौरान हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के चौकीदार की बीती रात ड्यूटी के दौरान अचानक आए हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। चौकीदार की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। थाना यमुना पार के लक्ष्मीनगर इलाके में रहने वाला विजय कुमार पुत्र मनोहर लाल पीडब्ल्यूडी विभाग के डाक बंगला में चौकीदार था। घर से ड्यूटी करने के लिए कल रात डाक बंगला आया था। बताया गया कि रात के समय उसकी अचानक मौत हो गई। उसकी मौत का पता प्रातः लगने पर कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों को भी इस बारे में बताया गया। पुलिस और परिवार के लोगों को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छीनैती कर भागते दो बाइक सवारों को लोगों ने पकड़ा

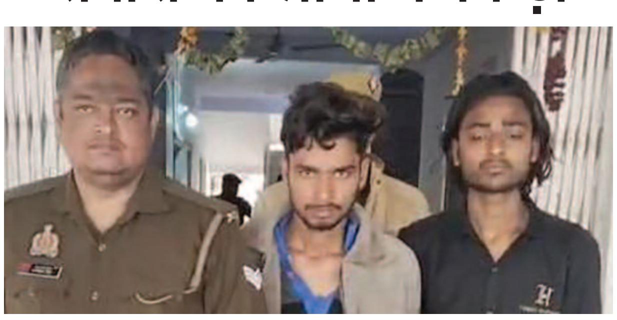
पुलिस की गिरफ्त में छीनैती करने वाले दो युवक।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महोली रोड पर एक मेडिकल स्टोर के मालिक से थैला छीनकर भागते बाइक सवार दो युवकों को स्थानीय लोगों के सहयोग से पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि महोली रोड पर प्रदीप मेडिकल स्टोर मालिक दुकान बंद करने के बाद करीब पौने दस बजे जा रहा था। इसी बीच बाइक पर आए दो युवा बदमाशों ने उनके हाथ से थैला छीन लिया और भागने लगे। शोर करने पर लोगों के पीछा करने पर युवकों की बाइक गड्ढे में गिर गई। स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ लिया और उनसे दवाईयों का लिफाफा, आधार कार्ड और 530 रुपये बरामद कर लिए। दोनों युवकों को कोतवाली लाया गया। पकड़े गए युवकों में विभूतीनगर कोतवाली निवासी कांची व फरमान को कोतवाली पुलिस ने दी गई तहरीर पर गिरफ्तार कर लिया।

स्वाद के चक्कर में सेहत से समझौता

नाश्ता और फास्ट फूड बन रहे बीमारियों की जड़

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर और देहात में बाहर का नाश्ता और फास्ट फूड खाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। ब्रज क्षेत्र के प्रसिद्ध नाश्ता जलेबी, कचौड़ी, समोसा और पकौड़ी–के साथ–साथ बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज और चाउमीन जैसी चीजें लोगों की रोजमर्रा की थाली में शामिल हो चुकी हैं। लेकिन इन स्वादिष्ट चीजों के पीछे सेहत का बड़ा खतरा छिपा हुआ है। जिले में बड़ी संख्या में नाश्ता और फास्ट फूड की दुकानों पर एक ही तेल को कई दिनों तक इस्तेमाल किया जा रहा है। दुकानदार कढ़ाही में एक बार तेल, घी या रिफाइंड डालते हैं और उसी में रोज नाश्ता व फास्ट फूड तलते रहते हैं। तेल काला पड़ जाता है। महक आने लगती है। फिर भी उसे

बदला नहीं जाता। कई बार ग्राहक यह देखकर बिना खरीदी किए लौट जाते हैं। बार–बार गर्म किए गए तेल में जहरीले तत्व बन जाते हैं। ऐसे तेल में बना खाना पेट की बीमारियों को बढ़ाता है। गैस, एसिडिटी, उल्टी–दस्त और पेट दर्द, इनफेंशन जैसी परेशानियां पैदा होती है। यदि लंबे समय तक ऐसा खाना खाने से गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि खाद्य विभाग आखिर कब जागेगा। क्या विभाग किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राधाबल्लभ का कहना है कि बाहर मिलने वाला

एक ही तेल में कई दिनों तक बनता है नाश्ता और फास्ट फूड, संबंधित विभाग मौन

नाश्ता और फास्ट फूड सेहत के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने बताया कि कई दुकानों पर बर्गर, फ्रेंच फ्राइज और अन्य फास्ट फूड पुराने तेल में बनाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पैक्ड फूड खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट जरूर देखें। खराब और पुराने खाद्य पदार्थ भी बाजार में बिक रहे हैं। यदि दुकानदार रोजाना नया और साफ तेल डालकर खाना बनाएं तो सेहत को होने वाला नुकसान कम हो सकता है।

स्व. श्रीमती बीना देवी

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्यनीय माताजी श्रीमती बीना देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री जमुना प्रसाद सिंघल का गोलोकवास दिनांक 09.02.2026 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 11.02.2026 दिन बुधवार को महिलाओं और पुरुषों की समय 3 से 4 बजे तक स्थानः ए–ब्लॉक पार्क कृष्ण पुरम, बिरला मंदिर मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

जितेंद्र सिंघल (जीतू) -अनामिका सिंघल (पुत्र-पुत्रवधू) रेखा गोयल, राजेश्वरी अग्रवाल (पुत्री) मथुरा प्रसाद (जेठ) छेलबिहारी, दिनेश, अशोक (देवर) गौरांश सिंघल (पौत्र)

मो.7505615130,9997878414

राजेश जायसवाल बने ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष

यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रवादी सहस्त्रबाहु मंच के यूथ विंग के संगठनात्मक विस्तार को प्रदेश अध्यक्ष ने आठ क्षेत्रों मे घोषणा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीतेश जायसवाल ने बताया कि संगठन का उद्देश्य ओबीसी–वैश्य समाज के युवाओं को संगठित कर उन्हें नेतृत्व में भागीदारी और हिस्सेदारी को मुख्यधारा से जोड़ना है। इसी क्रम में ब्रज क्षेत्र के लिए कोसीकलां के राजेश जायसवाल को ब्रज क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भाजपा के शासन में सभी वर्गों के संवैधानिक अधिकार खतरे में

कलेक्ट्रेट पर धरना देते बहुजन संगठनों के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। यूजीसी के नए नियमों के समर्थन में एकजुट बहुजन संगठनों ने पैदल मार्च करने के धरना दिया। राष्ट्रीय फुले संघ, समता फाउंडेशन, महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति, भीम आर्मी तथा राष्ट्रीय समान शिक्षा मिशन के तत्वावधान में प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए यूजीसी नियमों को उच्च शिक्षा में संवैधानिक समानता, सामाजिक न्याय और भेदभाव–रोकथाम की दिशा में आवश्यक कदम बताया। वक्ताओं ने कहा कि यह नियम विशेष रूप से एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक एवं वंचित वर्गों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करता है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारी मनमोहन तिवारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर राष्ट्रीय फुले संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजली सैनी एडवोकेट, महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी, समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, भीम आर्मी के मंडल अध्यक्ष हेमेंद्र कुमार, जिला अध्यक्ष आरके फाइटर, पार्षद लक्ष्मण सैनी, प्रेम सिंह विमल, अभिमन्यु सैनी, वीरेंद्र कुशवाह, दुल्हराम सैनी, राधा कॉमरेड तथा संतोष सैनी आदि उपस्थित थे।

बीएसए के फैसले से शिक्षकों में भरोसा बढ़ा

बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति का आभार जताते शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय नौहझील के प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद को एक झूठी शिकायत के आधार पर निलंबित कर दिया गया था। मामले की जांच के बाद आरोप सही नहीं पाए गए। इसके बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने उन्हें उसी विद्यालय में दोबारा तैनाती देने का आदेश जारी किया। प्रधानाध्यापक की बहाली होने पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिलकर उनका आभार व्यक्त किया और पुष्पगुच्छ भेंट किया। शिक्षक संघ के संरक्षक ठाकुर

निलंबित प्रधानाध्यापक की बहाली पर शिक्षक संघ ने खुशी जाहिर की

रोहताश सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निष्पक्ष जांच के बाद सही फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से शिक्षकों में भरोसा बढ़ा है और यह एक न्यायपूर्ण कदम है। इस अवसर पर शांतनु चौधरी, मुकेश कुंतल, अवधेश शर्मा, बच्चू सिंह फौजदार, पुष्पेंद्र चौधरी, चंद्रकांत शर्मा तथा हेमंत शर्मा आदि उपस्थित थे।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 65 लोगों ने लाभ लिया

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारी एवं डॉक्टर।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के तत्वावधान में गली पातीराम, मंडी रामदास स्थित सुरेश चंद गोला के आवास पर मंदिर के समीप निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया। नेत्र चिकित्सकों ने लोगों की आँखों की जाँच की। चिकित्सकीय परामर्श एवं मार्गदर्शन निःशुल्क प्रदान किया। शिविर का लाभ 65 से अधिक लोगों ने उठाया। डॉ. सिद्धार्थ तरकर ने नेत्र रोगों से बचाव, नियमित जाँच की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक श्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा, महामंत्री अर्जुन पंडित, विजय शर्मा, आशीष शर्मा, कुलदीप शर्मा, शिव नारायण, डोमेश शर्मा, सुरेश गोला तथा विवेक शर्मा आदि उपस्थित थे।

नगर निगम के अधिकारियों ने जनता की शिकायतें सुनीं

भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर विकास मंत्री की पहल पर संभव, संतुष्टि एवं समृद्धि अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए नगर निगम के तीनों जोन कार्यालयों में जनसुनवाई की गई।

भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश, वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम मथुरा–वृंदावन कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। नगर आयुक्त ने सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही करने को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान भूतेश्वर जोन में छह, वृंदावन जोन में 10 एवं सिटी जोन में तीन शिकायत आई।

जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, सहायक नगर अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, अधिशासी अभियंता जल राम कैलाश एवं मुख्य कारण निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

कैंसर विशेषज्ञ डॉ. वरुण अग्रवाल की सलाह

खान–पान की आदत सुधारने से कैंसर का खतरा होगा कम

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। शरीर के हर अंग में कैंसर होता है। छोटे घाव और सफेद दाने की अनदेखी नहीं करें। ऐसी समस्या नजर आने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श करें। जीवन शैली में बदलाव करने से भी कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। यह बात कैंसर विशेषज्ञ डॉ. वरुण अग्रवाल ने कही। यूनिक समय के साथ दीनदयाल धाम में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि दो दशक से कैंसर जैसी बीमारी ज्यादा बढ़ी है। इसकी वजह जीवन शैली में बदलाव, खान–पान के स्तर में गिरावट और फर्टिलाइजर–पेस्टिसाइड का अत्यधिक उपयोग मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। आज लोग फल और हरी सब्जियां कम

डॉ. वरुण अग्रवाल

इस्तेमाल कर रहे हैं, इसकी जगह जंक फूड और पैक बंद खाने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

15 प्रकार के कैंसर की बात करते हुए डॉ. वरुण अग्रवाल ने बताया कि कैंसर का मुख्य कारण तंबाकू तो है ही है,

सफेद दाने, छोटे घाव को नहीं करें अनदेखा, तत्काल लें सलाह

लेकिन मोटापा भी एक कारण है। कैंसर को नियमित दिनचर्या और फिजिकल एक्सरसाइज अपनाने से रोका जा सकता है। शरीर से पसीना निकलना जरूरी है। शाम छह बजे तक भोजन करने की भी आदत जीवन में डालनी होगी।

महिलाओं में कैंसर के मामले बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि महिलाओं में दो प्रकार के कैंसर होते हैं। एक कैंसर के देरी से शादी होने की वजह से होने का खतरा होता है, जबकि दूसरा कैंसर महिलाओं के एक से अधिक पार्टनर से संबंध होने की वजह से हो सकता है। इलाज की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि वह प्रत्येक सोमवार को सुबह नौ बजे से एसएन मेडिकल कॉलेज में सेवाएं देते हैं।

एसएन मेडिकल कॉलेज की असाध्य रोग योजना से गरीबों का इलाज किया जाता है। इसके अलावा पीएम आयुष्मान और अन्य प्रकार के स्वास्थ्य योजनाओं से भी मरीज का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वैसे तो कैंसर मनुष्य के हर अंग में होता है, खान–पान बिगड़ने से यह उभरता है। ऐसे में सावधानी और चिकित्सक की सलाह ही बचाव का मुख्य रास्ता है। कैंसर से पीड़ित रोगियों को डरना नहीं चाहिए, तत्काल उपचार करना चाहिए, जिससे उनका जीवन सुरक्षित रह सके।

जीएलए के विधि संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर मूटिंग के क्षेत्र में कायम की पहचान

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मूट कोर्ट के दौरान मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय, राजस्थान कैलाश चंद्र शर्मा को स्मृति चिन्ह प्रदान करते कुलपति प्रो अनूप कुमार गुप्ता, सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च संस्थान की मूट कोर्ट समिति द्वारा भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय द्वितीय जीएलए मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बीए एलएलबी (ऑनर्स), बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स), बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) और एलएलएम के छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिष्ठित विधि विश्वविद्यालयों और सँस्थानों की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इनमें महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब सहित छह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की टीमें भी शामिल रहीं। उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण के दौरान कुलसचिव, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा अशोक कुमार सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं छात्रों को व्यावहारिक कानूनी प्रशिक्षण प्रदान करती हैं और उन्हें वास्तविक न्यायिक प्रक्रियाओं से परिचित कराती हैं, जिससे उनके शोध, तर्क और प्रस्तुतीकरण कौशल का समग्र विकास होता है। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय, राजस्थान कैलाश चंद्र शर्मा ने अपने विस्तृत वक्तव्य में कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं विधि शिक्षा का सबसे प्रभावी व्यावहारिक माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा कानून आज के डिजिटल और वैश्विक बाजार में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयोग निष्पक्ष बाजार व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करता है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे कानून को केवल करियर नहीं, बल्कि समाज में न्याय और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा स्थापित करने के माध्यम के रूप में देखें। गेस्ट ऑफ ऑनर सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश, फैमिली कोर्ट, नई दिल्ली मनमोहन शर्मा ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं छात्रों की आलोचनात्मक सोच, तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता और आत्मविश्वास को मजबूत करती हैं। उन्होंने नियमित अभ्यास, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने की सलाह देते हुए जीएलए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता की सराहना की। जीएलए के मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक और व्यावसायिक दक्षता भी प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय का निरंतर प्रयास है कि विधि शिक्षा को वास्तविक न्यायिक और संस्थागत आवश्यकताओं से जोड़ते हुए छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाए। इस अवसर पर जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम निष्पक्ष बाजार व्यवस्था और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कम्पटीशन लॉ के क्षेत्र में उभरती संभावनाओं और लॉ छात्रों के लिए अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। वहीं डीन, इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च प्रो. (डॉ.) सोमेश धामीजा ने थीम एड्रेस के दौरान कहा कि प्रतिस्पर्धा–विरोधी

जीएलए के विधि संस्थान में राष्ट्रीय स्तर मूट कोर्ट के मंच से उभरी प्रतिस्पर्धा कानून की नई सोच

प्रथाओं का सीधा प्रभाव उपभोक्ताओं पर पड़ता है। उन्होंने जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च संस्थान द्वारा छात्रों को बेहतर लर्निंग वातावरण उपलब्ध कराने एवं कानूनी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाओं के लिए सँस्थान के विधि छात्र–छात्राओं को विकसित करने हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रयासों की विस्तृत व्याख्या की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश, मथुरा विकास कुमार ने मूट कोर्ट संस्कृति को विधि शिक्षा की आधारशिला बताते हुए जीएलए विश्वविद्यालय की सराहना की। गेस्ट ऑफ ऑनर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नई दिल्ली अभिलाष महलोत्रा ने कानूनी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों पर प्रकाश डाला, जबकि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मथुरा डॉ. उत्सव गौरव राज ने प्रतिभागी छात्रों को बधाई देते हुए आयोजन टीम के प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अरुणा धामीजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के परिणामों में सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल और सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की टीम को प्रदान किया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ मूटर का खिताब बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ की टीम ने हासिल किया। कड़े मुकाबलों के बाद द्वितीय उपविजेता का स्थान क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु को मिला, वहीं प्रथम उपविजेता टीम बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ रही। प्रतियोगिता का विजेता खिताब विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की टीम ने अपने नाम किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मथुरा डॉ. उत्सव गौरव राज, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के सलाहकार (वित्तीय विश्लेषण), प्रदीप के. मील सहित जीएलए के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च संस्थान के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित छात्रों का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से कृति शर्मा, आशिमा सिंह तालियान, अनुष्का त्रिवेदी, डॉ. विवेक मेहरोत्रा, शिवम राणा (अध्यक्ष) और मानसी गौतम (उपाध्यक्ष) आदि शामिल थे। कार्यक्रम में मंच संचालन छात्रा सुदीक्षा धुंगल तथा छात्र तनुज ने किया।

रक्तदान की होड़,बीमारी का लिया निदान

संवाददाता

बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान करते भाजपा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। मंगलवार को दीनदयाल धाम में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान की होड़ लगी रही। आगरा और मथुरा से आए चिकित्सकों से मरीजों ने अपनी बीमारी का समाधान जाना। पं. दीनदयाल उपाध्याय के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन मधुगर सभागार में रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। शुभारंभ एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता, स्मारक समिति के मंत्री केशव प्रसाद शर्मा, मेला समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक और स्मारक समिति के निदेशक सोनपाल, महीपाल सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि जीवन में हर व्यक्ति को दो–चार बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान करने से खुद का शरीर सही रहता है तो दूसरे को संकट के समय मदद भी मिलती है। रक्तदानियों ने 42 यूनिट रक्त का दान किया। कार्यक्रम संयोजक जगमोहन पाठक ने रक्तदान करने वाले को प्रशस्ति पत्र और हेलमेट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. अमित गोयल, डॉ. सचिन वशिष्ठ, डॉ. अजीत चाहर, डॉ. अनुपम शुक्ला, डॉ. ऋषि बंसल, डॉ. गरिमा बंसल, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. वरुण अग्रवाल, डॉ. रेखा गुप्ता, नेत्र रोग चिकित्सक डॉ. सुमित तथा डॉ. अजीत चौधरी आदि ने मरीजों का परीक्षण किया। दवाएं उपलब्ध कराईं। एसआरएस आयुर्वेदिक मेडिकल एंड

पं. दीनदयाल उपाध्याय के बलिदान दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

हॉस्पिटल के प्रशिक्षुओं ने भी मरीजों की बीमारी समझकर उपचार दिया। कल्याण करोति और फरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा होम्योपैथिक–आर्युवेदिक चिकित्सक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश, मंडल अध्यक्ष पारस ठाकुर, रविंद्र सिंह तरकर, मनीष गोला, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, भीकम चंद दुबे, राज दर्शन पचौरी, डॉ. हरी भदौरिया, दर्शन लाल, सतीश पचौरी एवं अरुण सिंघल आदि मौजूद थे। संचालन पं. दीनदयाल उपाध्याय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य लोकेश प्रताप सिंह ने किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने गोवर्धन–वृंदावन का किया दौरा

केबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान को स्मृति चिन्ह भेंट करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मथुरा जनपद के पावन तीर्थस्थलों गोवर्धन एवं वृंदावन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों नगरों के प्रमुख मंदिरों में दर्शन कर पूजा–अर्चना की। वृंदावन प्रवास के अवसर पर माननीय मंत्री के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईआरजी), मखदूम की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्थान के विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. गोपाल दास तथा डॉ. के. गुरुराज उपस्थित रहे। संस्थान के वैज्ञानिकों ने माननीय मंत्री को नवीनतम

सीआईआरजी की समीक्षा बैठक में हुए शामिल

वार्षिक प्रतिवेदन एवं बकरी कैलेंडर-2026 भेंट किया तथा किसानों के हित में संचालित गतिविधियों और विकसित नवाचारी तकनीकों की जानकारी दी। मंत्री ने बकरी क्षेत्र के विकास में संस्थान की भूमिका की सराहना करते हुए लघु एवं सीमांत पशुपालकों के आजीविका संवर्धन में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। पूरे दौरे के दौरान सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल अधिकारी पी. के. शर्मा द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव की रचनात्मकता को निखारने का नायाब उपकरण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव विषय पर आयोजित सम्मेलन में उपस्थित अतिथि वक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव" विषय पर आयोजित सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि मानव रचनात्मकता और प्रतिभा को सशक्त बनाने का नायाब उपकरण है। एआई न केवल तकनीकी विकास को गति दे रही है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और सार्वजनिक सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। सम्मेलन का शुभारंभ कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, उप कुलपति डॉ. गौरव सिंह, डीन एवं प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका तथा कुल सचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथि वक्ताओं डॉ. अमित प्रकाश सिंह और डॉ. रुचि सेहरावत का स्वागत किया गया। गुरु गोबिन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. (डॉ.) अमित प्रकाश सिंह ने मेडिकल विद्यार्थियों को डेटा एनालिसिस, विजुअलाइजेशन और मशीन लर्निंग की उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन देश के एआई विजन को मजबूत करते हैं और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा व कौशल विकास में नवाचार को बढ़ावा देते हैं। असिस्टेंट प्रो. (डॉ.) रुचि सेहरावत ने हेल्थकेयर में एआई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया

केडी विश्वविद्यालय में एआई के प्रभाव पर विद्वतजनों से साझा किए अनुभव

कि यह सटीक निदान, व्यक्तिगत उपचार, रेडियोलॉजी विश्लेषण और रोगों की प्रारंभिक पहचान में सहायक है, जिससे चिकित्सा दक्षता बढ़ती और लागत घटती है।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि एआई–संचालित ज्ञान हर व्यक्ति और हर क्षेत्र तक पहुंचना चाहिए। डीन डॉ. आर.के. अशोका ने सम्मेलन को समाज और शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी पहल बताया। अंत में कुल सचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय कृमि दिवस पर छात्रों को खिलाई गई दवा

यूनिक समय, बलदेव (मथुरा)। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में आज बच्चों को पेट के कीड़ों (कृमि) से मुक्त करने के लिए चबाकर खाई जाने वाली एल्बेंडाजोल नामक कृमिनाशक गोली खिलाई गई। प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक ने कृमिनाशक गोली खिलाए जाने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शिक्षिका गीता सक्सेना, बिंदु शर्मा, डॉ ममता रानी, पूजा रानी आदि मौजूद थी। संचालन बिन्दु शर्मा ने किया।

पाचन से लेकर ब्लड प्रेशर तक, सेहत को मिलते हैं कई फायदे

पेट के लिए अमृत समान है केला, रोज एक केला खाने से गट हेल्थ में होगा सुधार

यूनिक समय, नई दिल्ली । आपने अक्सर यह कहावत सुनी होगी कि रोज एक सेब खाने से डॉक्टर दूर रहता है, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो केला भी इस मामले में किसी से कम नहीं है। रोजाना एक केला खाने से पेट और आंतों को स्वस्थ रखा जा सकता है। फाइबर, पोटैशियम और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर केला गट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि केला बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी की डाइट में शामिल किया जाता है। केला स्वाद में जितना अच्छा होता है, सेहत के लिए उतना ही लाभकारी भी है। इसे पेट के लिए अमृत समान फल कहना गलत नहीं होगा।

रोज एक केला खाने से शरीर को क्या मिलता है

नोएडा स्थित शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. भुमेश त्यागी के अनुसार, केला पोषण से भरपूर फल है। रोज एक केला खाने से शरीर को लगभग 105 कैलोरी, 3 ग्राम फाइबर, पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट और प्राकृतिक शुगर मिलती है। इसके अलावा केले में पोटैशियम, विटामिन बी6 और विटामिन सी भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

आंतों के लिए बेहद फायदेमंद: रोजाना केला खाने से आंतों की सेहत में सुधार होता है। केला रेजिस्टेंट स्टार्च और प्रीबायोटिक फाइबर से भरपूर होता है, जो आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है। इससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है, सूजन कम होती है और लंबे समय तक आंतें स्वस्थ बनी रहती हैं। कई शोधों में यह भी पाया गया है कि कच्चे केले में पेट की परत को मजबूत करने वाले गुण मौजूद होते हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल में मददगार: केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाता है। नियमित रूप से केला खाने से रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा केले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक होते हैं।

सुबह नाश्ते में बनाएं मूंग दाल डोसा क्रिस्पी स्वाद ऐसा कि खाते ही जाएंगे

यूनिक समय, मथुरा। दिन की शुरुआत अगर हेल्दी नाश्ते से हो तो शरीर और मन दोनों फिट रहते हैं। ऐसे में अगर आप रोज़ाना एक ही तरह का नाश्ता खाकर बोर हो चुके हैं, तो मूंग दाल डोसा एक बेहतरीन विकल्प है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह डोसा स्वाद में जितना लाजवाब है, बनाने में उतना ही आसान भी है। खास बात यह है कि यह डोसा वजन घटाने वालों के लिए भी एकदम परफेक्ट माना जाता है। मूंग दाल से बना यह डोसा बाहर से बेहद क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट रहता है। इसे आप सुबह नाश्ते, लंच या हल्की डिनर रेसिपी के तौर पर भी खा सकते हैं।

मूंग दाल डोसा बनाने की सामग्री: साबुत हरी मूंग दाल, चावल, हरी मिर्च, अदरक, नमक, हरा धनिया, जीरा, राई, उड़द दाल, करी पत्ता, प्याज, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, उबले आलू, नींबू और तेल।

मूंग दाल डोसा बनाने की विधि:

हेल्दी, टेस्टी और वजन घटाने वालों के लिए परफेक्ट रेसिपी

सबसे पहले 1 कप साबुत हरी मूंग दाल और 4 चम्मच चावल को रातभर पानी में भिगो दें। सुबह दाल को धोकर मिक्सी में हरी मिर्च, अदरक, नमक और हरा धनिया डालकर बारीक पेस्ट बना लें। अब पैन में थोड़ा तेल गर्म करें। इसमें जीरा, राई, उड़द दाल, करी पत्ता और प्याज डालकर भूनें। फिर इसमें मसाले डालें और उबले आलू मिलाकर कुछ मिनट पकाएं। ऊपर से नींबू रस और हरा धनिया डालें।

नॉन स्टिक तवे पर बैटर फैलाएं और डोसा पकाएं। जब नीचे से क्रिस्पी हो जाए, तो आलू की स्टफिंग भर दें।

परोसने का तरीका: तैयार मूंग दाल डोसा को नारियल चटनी, मूंगफली की चटनी या सांभर के साथ परोसें। यह स्वाद और सेहत का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।

यादगार के चक्कर में न पहुंचाएं प्रकृति को नुकसान

बीच ट्रिप पर जाते समय इन 5 चीजों को भूलकर भी घर न लाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली । जब भी बीच ट्रिप का प्लान बनता है, तो आंखों के सामने नीला समंदर, सुनहरी रेत, ठंडी हवा और सुकून भरे पल घूमने लगते हैं। परिवार या दोस्तों के साथ समुद्र किनारे बिताया गया वक्त हर किसी के लिए खास होता है। इस दौरान लोग खूब तस्वीरें लेते हैं और कई बार वहां मौजूद चीजों को यादगार के तौर पर घर ले आने का मन भी करता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि बीच से कुछ चीजें उठाकर लाना न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि कई जगहों पर यह कानूनन अपराध भी माना जाता है। इसलिए अगली बार जब आप समुद्र तट पर जाएं, तो इन चीजों को अपने बैग में डालने की गलती बिल्कुल न करें।

रेत को कई लोग बोतल या डिब्बे में भरकर बीच की रेत घर ले आते हैं। जबकि रेत समुद्र तट के इकोसिस्टम का अहम हिस्सा होती है। यह तट को कटाव से बचाती है और कई छोटे जीव–जंतुओं का घर होती है। लगातार रेत उठाने से बीच धीरे–धीरे सिकुड़ने लगता है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है।

शंख और सीपियां: दिखने में खूबसूरत शंख और सीपियां हर किसी को आकर्षित करती हैं। लेकिन ये समुद्री जीवन के लिए बेहद जरूरी होती हैं। कई बार इनमें छोटे जीव रहते हैं और ये टूटकर समुद्र की रेत को संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। इन्हें हटाने से समुद्री जैव विविधता पर असर पड़ता है।

कोरल: कोरल देखने में भले ही पत्थर जैसे लगें, लेकिन ये जीवित संरचनाएं होती हैं। कोरल रीफ हजारों समुद्री जीवों का घर होते हैं और समुद्र तट को तूफानों और तेज लहरों से बचाने में मदद करते हैं। कोरल को तोड़ना या उठाकर ले जाना पर्यावरण के लिए बड़ा नुकसान है और कई देशों में यह अपराध भी है।

समुद्री पौधे और घास: बीच पर मिलने वाली समुद्री घास और पौधे भी इकोसिस्टम का अहम हिस्सा होते हैं। ये पानी को साफ रखने और समुद्री जीवों को आश्रय देने में मदद करते हैं। इन्हें हटाने से समुद्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है।

जीवित या मरे हुए समुद्री जीव: कभी–कभी लोग छोटे केकड़े, स्टारफिश या मछलियों को भी घर ले आने की सोचते हैं। यह न सिर्फ गलत है, बल्कि गैरकानूनी भी हो सकता है। हर जीव समुद्र के इकोसिस्टम में अपनी भूमिका निभाता है।

पत्नी और गर्लफ्रेंड के चेहरे पर आ जाएगी मुस्कान

आसमान छूती सोने की कीमतों के बीच वैलेंटाइन डे पर दें सस्ती ज्वेलरी का तोहफा

यूनिक समय, मथुरा। सोने की कीमतें इन दिनों रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं। ऐसे में वैलेंटाइन डे जैसे खास मौके पर पत्नी या गर्लफ्रेंड को गोल्ड ज्वेलरी गिफ्ट करना हर किसी के बजट में नहीं रह गया है। हालांकि, महंगे सोने के बिना भी आप अपने पार्टनर को खास महसूस करा सकते हैं। बाजार में अब ऐसी कई ज्वेलरी मौजूद हैं, जो देखने में बिल्कुल सोने जैसी लगती हैं, लेकिन कीमत काफी किफायती होती है। अगर आप भी वैलेंटाइन डे पर बजट में रहते हुए खूबसूरत ज्वेलरी गिफ्ट करना चाहते हैं, तो ये ऑप्शंस आपके लिए परफेक्ट हैं।

गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी: मार्केट में गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी की रेंज तेजी से बढ़ रही है। ये ज्वेलरी असली सोने जैसी चमक और डिजाइन में मिलती है, लेकिन इसमें सिर्फ सोने की पतली कोटिंग होती है। इसी वजह से इसकी कीमत शुद्ध सोने की ज्वेलरी से कहीं कम होती है। नेकलेस, ईयररिंग्स, कंगन और रिंग्स जैसे कई विकल्प इसमें आसानी से मिल जाते हैं। हालांकि, यह ज्वेलरी निवेश के लिहाज से नहीं होती, लेकिन गिफ्ट के तौर पर बेहद खूबसूरत लगती है।

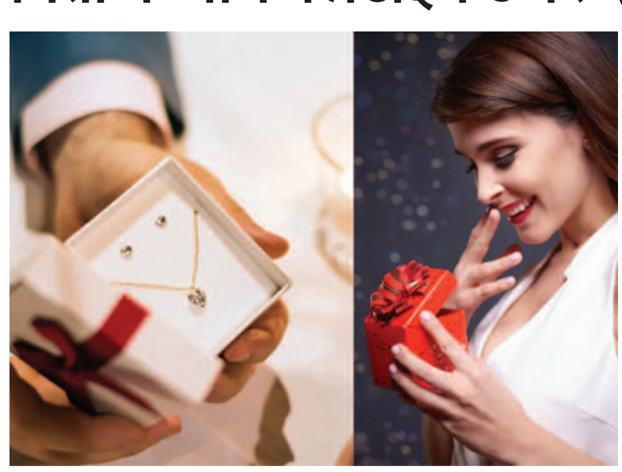

एंटी टार्निश ज्वेलरी: आजकल एंटी टार्निश ज्वेलरी सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड में है। खास बात यह है कि ये ज्वेलरी नमी या पानी के संपर्क में आने पर भी काली नहीं पड़ती। इसमें सोने से थोड़ी अलग चमक होती है, जो इसे मॉडर्न लुक देती है। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर इसके हजारों डिजाइन उपलब्ध हैं। कम कीमत में स्टाइल और टिकाऊपन दोनों मिलने की वजह से यह ज्वेलरी युवाओं के बीच खास पसंद बन चुकी है।

गोल्ड वर्मील ज्वेलरी: अगर आप सस्ती लेकिन टिकाऊ ज्वेलरी चाहते हैं, तो गोल्ड वर्मील एक बेहतरीन विकल्प है। इस ज्वेलरी में 92.5 प्रतिशत शुद्ध चांदी का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके ऊपर सोने की मोटी परत चढ़ाई जाती है। इसकी चमक और फिनिश असली सोने जैसी होती है और यह लंबे समय तक खराब नहीं होती। दिखने में यह पूरी तरह गोल्ड ज्वेलरी जैसी लगती है, लेकिन कीमत काफी कम होती है।

चांदी की ज्वेलरी: सोने का बजट न हो तो चांदी भी एक शानदार विकल्प है। आजकल बड़े ज्वेलर्स के पास चांदी की बेहद आकर्षक चूड़ियां, कंगन, एंकलेट, पेंडेंट और नेकपीस उपलब्ध हैं। ये ज्वेलरी न सिर्फ खूबसूरत होती है, बल्कि सही देखभाल में लंबे समय तक काली भी नहीं पड़ती। वैलेंटाइन डे पर चांदी की ज्वेलरी एक क्लासिक और समझदारी भरा गिफ्ट साबित हो सकती है।

यूनिक समय
मथुरा, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

सुविचार

किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके चेहरे के रंग या कपड़ों से नहीं होती बल्कि उसके व्यवहार और गुणों से होती है।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	07:27-09:49 तक	**पक्ष**	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	07:55-10:52 तक	**माह**	फाल्गुन
सूर्योदय		7:03 AM	**चन्द्रोदय**	02:11 AM
सूर्यास्त		6:03 PM	**चंद्रास्त**	12:28 PM
सूर्य राशि		मकर राशि	**चंद्र**	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			**ब्रहम् मुहूर्त**	05:34-06:22
त्योहार/व्रत			**विक्रम संवत्**	2082
राहुकाल	12:33PM-01:55PM		**वार**	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं आपके कपड़े

यूनिक समय, मथुरा। कई बार हमें जिंदगी में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वास्तु अनुसार, इसके पीछे का कारण हमारे आसपास का वातावरण व घर में इस्तेमाल किए रंग होते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि घर के साथ हमारे कपड़ों का रंग भी हमपर खास असर डालता है? जी हां, वास्तु में हमारे इस्तेमाल करने वाले कपड़े व इस संबंधी भी कई नियम बताए गए है। ऐसे में कपड़ों से जुड़े इन नियमों को अपनाकर हम कई परेशानियों से बच सकते हैं। चलिए जानते हैं वास्तु अनुसार कपड़ों को लेकर किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। वास्तु अनुसार, ज्यादा पुराने व फटे कपड़े पहनने से बचना चाहिए। इससे जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे में कई परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा घर पर भी ज्यादा पुराने पर्दे–चादर इस्तेमाल करने से बचें।

कभी भी गंदे कपड़े न पहनें। इससे जीवन में अशुभ प्रभाव पड़ता है। साफ व प्रेस किए कपड़े पहनने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने के साथ आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। साथ ही तरक्की के रास्ते खुलते है। इसलिए रोजाना साफ और प्रेस किए हुए कपड़े। इसके अलावा घर के पर्दे, चादर आदि को भी समय–समय पर धोते रहिए। कुंवारे लोगों को काले रंग के कपड़े पहनने से बचना चाहिए। वास्तु अनुसार, इससे शादी होने में रूकावटें आने लगती है। वहीं शादी की उम्र वाले लोगों को गुलाबी, नारंगी व हल्का रंग के कपड़े ज्यादा पहनने चाहिए। इससे उनके शादी के संयोग खुलेंगे। जिन लोगों को आत्मविश्वास की कमी रहती है उन्हें लाल रंग के कपड़े ज्यादा पहनने चाहिए। अक्सर जीवन से परेशान व निराश रहने वाले लोगों को ज्यादा से ज्यादा पीले रंग के कपड़े पहनने चाहिए। इससे अंदर से खुशी का एहसास होता है। साथ ही आत्मविश्वास बढ़ता है।

वास्तु अनुसार, बुधवार, गुरुवार या शुक्रवार के दिन नए कपड़े पहनना शुभ होता है। इससे जीवन में सफलता के रास्ते खुलने के साथ शुभफल मिलता है।

अगर आप नए कपड़े लाए है तो इसे शनिवार के दिन पहनने से बचें। माना जाता है कि इन दिन नए कपड़े पहनने से वे जल्दी फट जाते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

संबंधों को मजबूत बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखें

यूनिक समय, मथुरा। कभी भी अच्छे रिश्तों को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। अच्छे रिश्ते आपका बुरा समय में साथ देते हैं। आचार्य चाणक्य ने बताया है कि व्यक्ति के लिए रिश्तों को मजबूत रखना कितना जरूरी होता है।

हर व्यक्ति अपने जीवन में रिश्तों को अच्छे और मजबूत बनाने के लिए हम कई तरह के कोशिश करते हैं। नीति शास्त्र के अनुसार, जो व्यक्ति इन बातों का ध्यान रखता है उनके रिश्ते मजबूत बने रहते हैं। आगे जानिए क्या कहती है चाणक्य नीति.....

प्रेम और विश्वास पर टिके होते हैं रिश्ते

किसी भी व्यक्ति के लिए सब को खुश रखना मुश्किल होता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप छल– कपट का साहरा लें। चाणक्य के अनुसार अगर कोई व्यक्ति छलझकपट का सहारा लेता है तो उसके रिश्ते लंबे समय तक नहीं टिकते हैं।

ऐसे रिश्तों की आपसी कलई जल्दी खुल जाती हैं। चाणक्य के मुताबिक रिश्तों की नीव हमेशा प्रेम और विश्वास पर होता है।

रिश्तों में बनाएं रखें विनम्रता

आचार्य चाणक्य के अनुसार व्यक्ति की वाणी में मधुरता और व्यक्तित्व में विनम्रता होनी चाहिए। आपकी मधुर वाणी कठोर हृदय को भी परिवर्तित कर सकती है, इसलिए हमेशा अपनी वाणी को मधुर रखें। मधुर वाणी व्यक्ति को समाज में सम्मानता दिलाता है।

अहम को आगे न आने दें

अहंकार व्यक्ति के रिश्तों को खराब कर सकता है। कई बार संबंध में भी दरार पड़ने लगती है। चाणक्य नीति के अनुसार, व्यक्ति को कभी भी इतना अहंकार नहीं होना चाहिए कि ये आपके रिश्तों को आड़े आने लगे।

बनाएं रखें रिश्तों का गरिमा

रिश्तों की गरिमा बनाएं रखना बहुत जरूरी होता है। जब तक रिश्तों में गरिमा रहती है तब तक एकझ्रदूसरे के प्रति सम्मान रहता है। रिश्तों में क्रोध और एक-दूसरे को नीचे दिखाने की प्रवृति नहीं होनी चाहिए। जो व्यक्ति अपने अहंकार को त्याग कर लोगों का सम्मान करता है उस व्यक्ति को हमेशा लोगों का सहयोग प्राप्त होता है।

इस तरह साइन करने वाले होते हैं जिद्दी

यूनिक समय, मथुरा। बैंक हो या स्कूल, या फिर अन्य कोई कार्य, हस्ताक्षर जीवन का अहम हिस्सा हैं। हर व्यक्ति अलग–अलग तरह से हस्ताक्षर करता है। लेकिन ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो व्यक्ति के हस्ताक्षर उसके भविष्य और जीवन के बारे में बहुत कुछ इशारा करता है। जानिए हस्ताक्षर से कैसे पता करें जीवन में बारे....

यदि व्यक्ति अपने हस्ताक्षर पेन को कागज से उठाए बिना लगातार लिखते हैं तो ये जीवन में सभी से मित्रता करना चाहते हैं। ऐसे लोग नए प्रयोगों को जीवन में अपनाना नहीं चाहते। इस तरह के लोग रुढ़िवादी होते हैं। जो लोग अपने हस्ताक्षर नीचे से ऊपर की ओर ले जाते हैं वे काफी उत्साही होते हैं। ये लोग महत्वाकांक्षी होते हैं। ऐसे लोग जिस काम में हाथ डालते हैं उसमें सफलता भी पाते हैं। यदि व्यक्ति अपने हस्ताक्षर छोटे करने के साथ ही इन्हें तोड़–मरोड़ देता है तो वह रहस्यमयी प्रवृत्ति का होता है। ऐसे व्यक्ति को समझना बहुत मुश्किल होता है। ये लोग चालाक किस्म के होते हैं। ये लोग मतलबी होते हैं। यदि व्यक्ति पेन को गड़ा–गड़ाकर हस्ताक्षर करता है और यह कागज की दूसरी ओर भी यह अक्षर भी दिखाई दें तो ऐसे लोग जिद्दी किस्म के होते हैं। यह अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहने वाले होते हैं। जो लोग अपने हस्ताक्षर करते समय शब्दों को ऊपर से नीचे की ओर ले जाते हैं उनमें नकारात्मक विचार काफी अधिक मात्रा में होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी से घुलते–मिलते नहीं। ये हमेशा दुखी रहते हैं। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के अंत में बिंदु लगाते हैं वे स्वभाव से शर्मीले किस्म के होते हैं। ये किसी पर आसानी से भरोसा नहीं करते। ऐसे लोग जिस काम को हाथ में लेते हैं उसे खत्म करके ही दम लेते हैं। जो व्यक्ति जल्दबाजी में अस्पष्ट हस्ताक्षर करते हैं वे काफी महत्वाकांक्षी होते हैं वे जल्दी उंचाइयों पर पहुंचना चाहते हैं। अपना मतलब निकालने के लिए दूसरे को धोखा देने से नहीं चूकते।

आर्थिक परेशानियों से छुटकारा दिलाती है काली मिर्च

यूनिक समय, मथुरा। हमारे किचन में ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जो हमारे खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ–साथ हमें कई तरह की बीमारियों और अनेकों समस्याओं से निजात भी दिला सकती हैं। हम सभी के जीवन में कभी ना कभी ऐसा मौका आता है, जब हम बहुत प्रयास करने के बाद भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं। ऐसे में कोई भी व्यक्ति का परेशान होना स्वभाविक है।

ज्योतिष शास्त्र में हमारे किचन में मौजूद चीजों के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनसे हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इन्हीं में से एक है काली मिर्च, जिसके उपायों के बारे में हमें बता रहे है।

धन से संबंधित परेशानियों के लिए उपाय

यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा हो तो काली मिर्च के 5 दाने लेकर उस व्यक्ति को अपने सिर के ऊपर से 7 बार घुमाकर रात के समय किसी चौराहे या सुनसान जगह पर खड़े होकर चारों दिशाओं में चार–चार दाने फेंक देने हैं।

बचा हुआ पांचवा दाना आसमान की तरफ उछाल कर फेंक दें। इसके बाद वहां से चुपचाप घर वापस आ जाएं और पीछे पलट कर ना देखें। ऐसा माना गया है कि काली मिर्च का उपाय करने से व्यक्ति के जीवन की आर्थिक तंगी दूर होती है।

शनि दोष से छुटकारा पाने के लिए

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि भारी है या शनि दोष है तो ऐसे में उस व्यक्ति को काली मिर्च और 11 रुपये काले कपड़े में बांधकर दान करना चाहिए या फिर इसे किसी शनि मंदिर में रख देना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में शनि दोष दूर होता है।

सभी तरह के कष्टों से मुक्ति के लिए

यदि किसी व्यक्ति के जीवन में बहुत दिनों से परेशानियां लगातार बनी हुई हैं तो इन परेशानियों को दूर करने में काली मिर्च का उपाय आपके बहुत काम आ सकता है। इसके लिए आपको अमावस्या या पूर्णिमा के दिन काली मिर्च के कुछ दाने लेकर "ओम क्लीं" मंत्र को बोलते हुए पूरे परिवार के सदस्यों के सिर के ऊपर से

काली मिर्च के उपाय से कुंडली का शनि दोष भी दूर किया जा सकता है।

घुमाते हुए दक्षिण दिशा में फेंक देना है। ऐसा करने से आपके घर में तरक्की और सुख समृद्धि आएगी और आपके जीवन से परेशानियां खत्म होंगी।

कार्य सिद्धि के लिए काली मिर्च का उपाय

यदि आप किसी खास कार्य से बाहर जा रहे हैं और आप चाहते हैं कि आपका काम पूरा हो तो ऐसे में घर से निकलते समय मुख्य दरवाजे पर काली मिर्च रख दें और जब आप घर से निकलें तो इस काली मिर्च के ऊपर पैर रखते हुए सीधा पैर बाहर निकालें। ऐसा करने से आप जिस काम के लिए घर से बाहर जा रहे हैं वह काम पूरा अवश्य होगा।

सम्पादकीय

संसदीय मर्यादा पर संकट

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति के भी तय मानक और परंपराएं हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल के वर्षों में शायद ही कोई सत्र ऐसा रहा हो जो बिना व्यवधान के पूरा हुआ हो। जारी बजट सत्र की घटनाएं भी यही संकेत देती हैं कि राजनीतिक टकराव ने संसदीय गरिमा की लक्ष्मण रेखा को बार-बार लांघा है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख के लिए भी नुकसानदेह है।

बहुदलीय लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखे मतभेद असामान्य नहीं हैं, लेकिन संसद के भीतर नारेबाजी, आसन की ओर कागज उछालना और हंगामे के चलते कार्यवाही ठप करना किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इन्हीं घटनाओं के चलते विपक्ष के आठ सांसदों को सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करना पड़ा। बढ़ती कटुता के लिए किसी एक दल को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि संसदीय मर्यादा के उल्लंघन में लगभग सभी पक्षों की भूमिका रही है। इस बजट सत्र की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना यह रही कि लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित हो गया। 2004 के बाद यह पहला अवसर है, जब ऐसी स्थिति बनी। परंपरा के अनुसार, व्यापक चर्चा के बाद प्रधानमंत्री का जवाब और फिर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाता है। इस बार नेता प्रतिपक्ष को बोलने का अवसर न मिलने के विरोध में विपक्ष ने सदन नहीं चलने दिया, नतीजतन प्रधानमंत्री लोकसभा में जवाब नहीं दे सके। हालांकि राज्यसभा में उन्होंने उसी दिन उत्तर दिया, लेकिन लोकसभा की यह परंपरागत प्रक्रिया बाधित होना अपने आप में गंभीर संकेत है। विवाद की जड़ में नेता प्रतिपक्ष द्वारा एक प्रकाशनाधीन पुस्तक के अंशों का उल्लेख रहा, जिसे नियमों का हवाला देकर सदन में पढ़ने से रोका गया। इसके बाद टकराव इतना बढ़ा कि संवाद की कोई गुंजाइश ही नहीं छोड़ी गई। यदि स्पीकर की मध्यस्थता से दोनों पक्ष संयम दिखाते, तो यह टकराव टाला जा सकता था। संसदीय प्रक्रिया के भीतर रहकर भी सरकार से सवाल पूछे जा सकते थे और जवाबदेही तय की जा सकती थी। आज स्थिति यह है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के संबंध लगातार गिरते स्तर पर पहुंचते दिख रहे हैं। जबकि तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में देश को सामरिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना है। इनसे निपटना केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। विपक्ष सिर्फ आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता और सत्तापक्ष भी संवाद से बच नहीं सकता। जरूरत इस बात की है कि दोनों पक्ष टकराव की राजनीति छोड़कर संसदीय मर्यादा और संवाद की राह पर लौटें। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि असहमति हो, लेकिन गरिमा के साथ। यदि संसद ही अव्यवस्था का प्रतीक बन गई, तो इसका संदेश देश और दुनिया-दोनों के लिए घातक होगा।

पवन गौतम
संपादक

नजरिया

जापान चुनाव : ताका इची को ऐतिहासिक जनादेश मिला

नीरज कुमार दुबे

जापान की राजनीति में 2026 के निचले सदन के चुनाव ने एक नया अध्याय जोड़ दिया है। प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने ऐसा प्रचंड जनादेश हासिल किया है, जिसने न केवल विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया, बल्कि देश की भावी राजनीतिक दिशा को भी स्पष्ट कर दिया है। यह चुनाव इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद ताका इची ने जनता के सामने जाकर विश्वास का मत लेने का साहसिक फैसला किया था-और जनता ने उस पर मुहर लगा दी।

चुनाव परिणामों के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, एलडीपी ने अकेले दम पर निचले सदन में 316 सीटें जीत लीं। गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर पार्टी ने 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। यह बहुमत न केवल स्थिर सरकार के लिए पर्याप्त है, बल्कि नीतिगत फैसलों और सुधारों के लिए भी सरकार को मजबूत आधार देता है। विपक्षी दलों के लिए यह पराजय ऐतिहासिक रही, क्योंकि कई बड़े नेता अपनी परंपरागत सीटें भी नहीं बचा पाए।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह जीत केवल संख्या की नहीं, बल्कि नेतृत्व पर जनता के गहरे भरोसे की जीत है। ताका इची ने सत्ता संभालने के बाद बहुत कम समय में स्पष्ट संकेत दे दिए थे कि वह अनिश्चितता के दौर में निर्णायक नेतृत्व देना चाहती हैं। निचले सदन को भंग करने का उनका फैसला जोखिम भरा था, लेकिन उसी फैसले ने उन्हें जनता के बीच अपनी नीतियों और दृष्टि को सीधे रखने का अवसर दिया।

चुनाव के दिन देश के कई हिस्सों में भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बावजूद मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत मजबूत रहा। कठिन मौसम में भी मतदाताओं का घर से निकलकर वोट डालना इस बात का संकेत था कि जनता इस चुनाव को साधारण राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय मान रही थी। यह भागीदारी ताका इची के लिए एक नैतिक समर्थन के रूप में भी देखी जा रही है।

विपक्ष की हार ने जापान की राजनीति में कई सवाल खड़े किए हैं। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दल जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। विश्लेषकों का कहना है कि विपक्ष न तो आर्थिक मुद्दों पर कोई ठोस विकल्प पेश कर पाया और न ही सुरक्षा तथा विदेश नीति जैसे संवेदनशील विषयों पर स्पष्ट रुख ले सका। इसके उलट, ताका इची ने अपने अभियान में स्पष्ट संदेश दिया कि जापान को आर्थिक सुधारों के साथ-साथ अपनी सुरक्षा और वैश्विक भूमिका को भी नए सिरे से परिभाषित करना होगा।

आर्थिक मोर्चे पर जापान लंबे समय से चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ता सरकारी कर्ज, कम उत्पादन वृद्धि, बुजुर्ग होती आबादी और बढ़ती जीवनयापन लागत-ये सभी मुद्दे आम मतदाता के जीवन से सीधे जुड़े हुए हैं। ताका इची ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया कि उनकी सरकार आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देगी। उन्होंने दीर्घकालिक सुधारों की बात की, ताकि अर्थव्यवस्था को केवल तात्कालिक राहत नहीं, बल्कि टिकाऊ मजबूती मिल सके।

सामाजिक मोर्चे पर भी ताका इची की नीतियों को समर्थन मिला। बुजुर्ग आबादी की बढ़ती संख्या, स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के अवसर-इन सब पर उनकी सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का संकेत दिया। मतदाताओं को लगा कि उनका नेतृत्व सामाजिक चुनौतियों को समझता है और उनके समाधान के लिए गंभीर है।

सुरक्षा और विदेश नीति इस चुनाव का एक और बड़ा मुद्दा रही। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बदलती भू-राजनीति, चीन के साथ तनाव, ताइवान को लेकर अनिश्चितता और उत्तर कोरिया की गतिविधियों ने जापानी मतदाताओं की चिंताओं को बढ़ाया है। ताका इची ने स्पष्ट रूप से कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों में अधिक आत्मविश्वास और स्पष्टता की जरूरत है। अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करना और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा।

इस स्पष्ट सुरक्षा दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को खास तौर पर प्रभावित किया, जो मानते हैं कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय माहौल में कमजोर या अस्पष्ट नीति जापान के हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। जनता ने ऐसे नेतृत्व को चुना, जो कठिन फैसले लेने से नहीं हिचकता। वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव परिणाम के निहितार्थ गहरे हैं। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ताका इची की जीत से यह संदेश गया है कि जापान न केवल आर्थिक साझेदारियों में, बल्कि वैश्विक सुरक्षा ढांचे में भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में भी यह जीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर बधाई देते हुए कहा कि भारत और जापान की वैश्विक साझेदारी और मजबूत होगी। यह संदेश बताता है कि दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक सहयोग के साझा एजेंडे पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह जनादेश ताका इची को नीतिगत सुधारों के लिए व्यापक स्वतंत्रता देगा। दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार के पास बड़े फैसले लेने और लंबे समय से लंबित सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर है। हालांकि, इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है-क्योंकि जनता ने जिस भरोसे के साथ वोट दिया है, उस पर खरा उतरना अब सरकार की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

ताका इची का राजनीतिक अनुभव भी इस जीत में एक अहम कारक रहा। 1990 के दशक से राजनीति में सक्रिय रहीं ताका इची ने कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों में काम किया है। उनकी छवि एक स्पष्ट सोच रखने वाली, दृढ़ नीतियों वाली नेता की रही है। जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उनकी यह प्रचंड जीत न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि देश की राजनीति में एक प्रतीकात्मक बदलाव भी दर्शाती है।

कुल मिलाकर, 2026 का यह चुनाव परिणाम जापानी जनता का स्पष्ट संदेश है-वह स्थिरता, स्पष्ट नेतृत्व और दीर्घकालिक दृष्टि चाहती है। विपक्ष की हार और ताका इची की ऐतिहासिक जीत ने यह दिखा दिया है कि मौजूदा दौर में जनता केवल वादों से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और भरोसेमंद नेतृत्व से प्रभावित होती है। आने वाले वर्षों में यह जनादेश जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक नई दिशा देने में कितनी सफल भूमिका निभाता है, इस पर पूरे विश्व की नजर रहेगी।

विचार विण्डो

पेरेंटल केयर लीव: संवेदना, जिम्मेदारी और आधुनिक कार्यसंस्कृति की जरूरत

तेजी से बदलती कार्यसंस्कृति और जीवनशैली के बीच आज का कामकाजी युवा एक दोहरे दबाव से गुजर रहा है। एक ओर करियर, प्रतिस्पर्धा और कार्यस्थल की अपेक्षाएं हैं, तो दूसरी ओर उम्रदराज माता-पिता की देखभाल की नैतिक और भावनात्मक जिम्मेदारी। ऐसे में कामकाजी युवाओं को पेरेंटल केयर लीव देने का विचार केवल एक प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय सोच का प्रतिबिंब है। इस विषय पर पाठकों की प्रतिक्रियाएं स्पष्ट करती हैं कि समाज का एक बड़ा वर्ग इस पहल को समय की आवश्यकता मानता है।

भारत जैसे देश में परिवार केवल सामाजिक इकाई नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार है। संयुक्त परिवार भले ही अब कम होते जा रहे हों, लेकिन माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी आज भी संतानों के कंधों पर ही होती है। जब माता-पिता जीवन के अंतिम या अस्वस्थता के दौर में होते हैं, तब उनकी देखभाल केवल आर्थिक नहीं, बल्कि शारीरिक और भावनात्मक सहयोग की भी मांग करती है। ऐसे समय में यदि कामकाजी युवक या युवती को नौकरी और परिवार में से किसी एक को चुनने की मजबूरी हो, तो यह स्थिति मानसिक तनाव, अपराधबोध और असंतुलन को जन्म देती है।

पाठक नरेंद्र रलिया का कहना है कि जिस तरह नवजात शिशु के लिए मातृत्व और पितृत्व अवकाश

की व्यवस्था है, उसी तरह बुजुर्ग माता-पिता की सेवा के लिए भी विशेष अवकाश होना चाहिए। यह तर्क न केवल व्यावहारिक है, बल्कि मानवीय भी। माता-पिता की देखभाल जीवन के उस चरण से जुड़ी है, जहां भावनात्मक उपस्थिति सबसे अधिक मायने रखती है। यदि यह जिम्मेदारी संस्थागत रूप से स्वीकार की जाए, तो इससे युवाओं को मानसिक राहत मिलेगी और वे कार्यस्थल पर अधिक एकाग्रता के साथ योगदान दे सकेंगे।

संजय माकोड़े की प्रतिक्रिया इस नीति के सामाजिक प्रभाव को रेखांकित करती है। उनके अनुसार, पेरेंटल केयर लीव पारिवारिक संतुलन और भावनात्मक मजबूती को बढ़ावा देती है। वास्तव में, जब कर्मचारी यह महसूस करता है कि उसका संगठन उसके व्यक्तिगत जीवन और पारिवारिक जिम्मेदारियों को समझता है, तो उसके भीतर निष्ठा और समर्पण का भाव स्वतः विकसित होता है। इससे न केवल कर्मचारी का तनाव कम होता है, बल्कि उसकी उत्पादकता और कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है। यह एक ऐसी 'विन-विन' स्थिति है, जहां कर्मचारी और संस्था-दोनों को लाभ होता है।

सतीश उपाध्याय का मानना है कि यह निर्णय समयानुकूल और दूरदर्शी है। आज जब औसत आयु बढ़ रही है और बुजुर्गों से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं, तब पेरेंटल केयर लीव जैसी व्यवस्था भविष्य की जरूरत बन सकती है। यह केवल छुट्टी देने का मामला नहीं है, बल्कि कार्य और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की सोच है। खुश और संतुष्ट कर्मचारी ही बेहतर गुणवत्ता का काम कर सकता है, और यही किसी भी संगठन की दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो कई देशों में केयरगिवर लीव या फैमिली केयर लीव जैसी व्यवस्थाएं पहले से लागू हैं। वहां इसे सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल कल्याण का हिस्सा माना जाता है। भारत में भी कॉरपोरेट क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इस दिशा में पहल शुरू हुई है, लेकिन इसे व्यापक और नीतिगत स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। खासकर सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र में यदि ऐसी नीति लागू होती है, तो यह समाज को एक मजबूत संदेश दे सकती है।

हालांकि, इस नीति को लागू करते समय व्यावहारिक चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। छोटे संगठनों, स्टार्ट-अप्स और सीमित स्टाफ वाले कार्यालयों में कार्यभार प्रबंधन एक चुनौती हो सकता है। इसलिए पेरेंटल केयर लीव की अवधि, पात्रता और लचीलापन तय करते समय संतुलित दृष्टिकोण जरूरी है। आंशिक अवकाश, वर्क-फ्रॉम-होम या फ्लेक्सी-टाइम जैसी व्यवस्थाओं को भी इसके साथ जोड़ा जा सकता है, ताकि कामकाज पर नकारात्मक असर न पड़े।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पेरेंटल केयर लीव को कमजोरी या विशेष रियायत के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाए। जिस तरह मातृत्व अवकाश ने कार्यस्थल पर महिलाओं की स्थिति को मजबूत किया है, उसी तरह यह नीति परिवार-केंद्रित समाज को नई मजबूती दे सकती है। इससे यह संदेश जाएगा कि विकास केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से भी मापा जाता है।

अंततः, कामकाजी युवाओं को पेरेंटल केयर लीव देने का विचार हमारे सामाजिक ढांचे, पारिवारिक मूल्यों और आधुनिक कार्यसंस्कृति के बीच एक सेतु का काम कर सकता है। यह नीतिगत बदलाव न केवल बुजुर्गों को सम्मान और सहारा देगा, बल्कि युवाओं को यह भरोसा भी देगा कि करियर और परिवार-दोनों साथ-साथ निभाए जा सकते हैं। एक संवेदनशील समाज और स्वस्थ कार्यसंस्कृति की दिशा में यह एक सार्थक और जरूरी कदम हो सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप में बीसीसीआई का सख्त फैसला

वर्ल्ड कप में पत्नियों और मंगेतरों पर बीसीसीआई ने लगाया बैन

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के लिए सख्त नियम लागू कर दिए हैं। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी अपने मंगेतर, पत्नियों या अन्य परिजनों को साथ नहीं रख सकेंगे। यह वही नीति है, जिसे इससे पहले बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लागू किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा टीम मैनेजमेंट ने बीसीसीआई से यह जानने के लिए संपर्क किया था कि क्या खिलाड़ियों के परिवार उनके साथ ट्रैवल कर सकते हैं और एक ही होटल में रह सकते हैं। इस पर बोर्ड ने स्पष्ट जवाब देते हुए कहा कि परिवार टीम के साथ नहीं रहेंगे। अगर कोई खिलाड़ी चाहे, तो उसके परिजन अलग से निजी व्यवस्था कर सकते हैं, लेकिन टीम बबल और आधिकारिक मूवमेंट का हिस्सा नहीं होंगे। बीसीसीआई की आधिकारिक पॉलिसी के अनुसार, किसी भी विदेशी या लंबे टूर (45 दिनों से अधिक) पर खिलाड़ी अधिकतम 14 दिनों तक ही अपने परिवार के साथ रह सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप के लिए इस नियम में कोई ढील नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्राइवेट चार्टर फ्लाइट से यात्रा करेगी। खिलाड़ियों के पर्सनल शेफ टीम के साथ मौजूद रहेंगे, लेकिन उनके ठहरने के लिए अलग होटल बुक किए गए हैं। वहीं से वे खाना तैयार कर खिलाड़ियों तक पहुंचाएंगे।

गौरतलब है कि कोविड काल के बाद भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी दौरों पर परिवार साथ रखने की अनुमति दी गई थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद स्थिति बदल गई। सपोर्ट स्टाफ की रिपोर्ट में यह सामने आया था कि कुछ खिलाड़ी टीम मीटिंग और रणनीतिक सत्रों के दौरान उपलब्ध नहीं थे और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। इसके बाद जनवरी 2025 में बीसीसीआई ने कड़ा रुख अपनाते हुए नियमों में बदलाव किया। बोर्ड का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में फोकस, अनुशासन और टीम कमिटमेंट सर्वोपरि है, और यही सोच टी20 वर्ल्ड कप में भी लागू की जा रही है।

सेंसर बोर्ड के खिलाफ याचिका ली वापस

फिल्म की रिलीज में देरी से परेशान मेकर्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जना नायकन' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर बीते एक महीने से बना विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। पहले 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली यह फिल्म सेंसर प्रमाणपत्र से जुड़े विवाद में फंस गई थी, जिसके चलते अब तक बड़े पर्दे पर नहीं आ सकी है। इस बीच फिल्म के निर्माताओं ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका वापस लेने का फैसला किया है।

बताया जा रहा है कि 'जना नायकन' के निर्माताओं ने अदालत को सूचित किया कि वे अब इस मामले में संशोधन समिति के माध्यम से आगे बढ़ना चाहते हैं। निर्माताओं के वकील ने इस संबंध में उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री को जानकारी दी, जिसके बाद अदालत ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पी. टी. आशा की एकल पीठ ने निर्माताओं को अपना पुराना मामला वापस लेने की इजाजत दी।

यह फैसला ऐसे समय पर आया है, जब फिल्म की रिलीज को लेकर लगातार अनिश्चितता बनी हुई थी। फिल्म को दोबारा जांच के लिए भेजे जाने के बाद यह निर्माताओं की ओर से उठाया गया पहला बड़ा और स्पष्ट कदम माना जा रहा है। अब याचिका वापस लेने के बाद गेंद एक बार फिर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पाले में है और निर्माताओं को उसकी हरी झंडी का इंतजार करना होगा।

उधर, थलापति विजय के प्रशंसक भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'जना नायकन' को लेकर खास उत्साह इसलिए भी है, क्योंकि इसे विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस फिल्म के बाद अभिनेता पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। ऐसे में यह फिल्म न सिर्फ उनके प्रशंसकों, बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए भी खास मानी जा रही है।

फिलहाल, अटकलें लगाई जा रही हैं कि 'जना नायकन' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। हालांकि, जब तक सेंसर बोर्ड की ओर से अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक फिल्म की रिलीज को लेकर स्थिति पूरी तरह साफ नहीं कही जा सकती। पहले से तय तारीख पर रिलीज न हो पाने के कारण यह फिल्म अब तक दर्शकों से दूर बनी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को लेकर कही बड़ी बात

संकट टलते ही भारत–पाक मैच पर बीसीसीआई की पहली प्रतिक्रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय टी20 विश्व कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बना संशय अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। पाकिस्तान द्वारा पहले मुकाबले से दूरी बनाने की बात कहने और बाद में अपने फैसले से पीछे हटने के बाद अब यह तय हो गया है कि 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान आमने–सामने होंगे। यह मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस विवाद के समाधान का पूरा श्रेय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को दिया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट को प्राथमिकता देते हुए जो समाधान निकाला गया है, वह खेल और विश्व कप दोनों के लिए बेहद अहम है। इस फैसले से करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को बड़ी राहत मिली है, जो लंबे समय से इस मुकाबले का इंतजार कर रहे थे।

राजीव शुक्ला ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के प्रतिनिधियों ने इस पूरे मामले में सक्रिय भूमिका निभाई। परिषद के अध्यक्ष की निगरानी में लगातार बातचीत हुई और प्रतिनिधि पाकिस्तान तथा बांग्लादेश के क्रिकेट बोर्ड से चर्चा के लिए लाहौर पहुंचे। इन बैठकों के बाद ही सकारात्मक नतीजा सामने आया और पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मुकाबला खेलने पर सहमति जताई।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को बातचीत की मेज तक लाना और समय रहते समाधान निकालना आसान नहीं था। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धैर्य और संतुलन के साथ इस संवेदनशील मुद्दे को सुलझाया। यह परिषद के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इसके लिए वह पूरी तरह प्रशंसा की हकदार है। अब यह विश्व कप एक सफल आयोजन की ओर बढ़ रहा है।

राजीव शुक्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में बांग्लादेश की भावनाओं का भी पूरा सम्मान किया गया। हालांकि बांग्लादेश इस विश्व कप में भाग नहीं ले पा रहा है, लेकिन बातचीत के दौरान उनके क्रिकेट बोर्ड को राहत दी गई है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी इस समाधान से संतुष्ट है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के प्रयासों की सराहना कर रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह मुकाबला न केवल टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण होगा, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की कूटनीतिक सफलता के रूप में भी देखा जा रहा है।

15 अगस्त 2026 पर सिनेमाघरों में होगा महामुकाबला

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2026 बॉलीवुड के लिए ब्लॉकबस्टर साबित होने वाला है। बड़े सितारों और भव्य कहानियों के साथ कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। खासतौर पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दर्शकों को मनोरंजन का भरपूर डोज मिलने वाला है। 15 अगस्त के आसपास सिनेमाघरों में एक से बढ़कर एक बड़ी फिल्मों की रिलीज तय मानी जा रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी। कार्तिक आर्यन की फैंटेसी कॉमेडी फिल्म 'नागजिलाः नाग लोक का पहला कांड' 14 अगस्त 2026 को रिलीज हो सकती है। यह फिल्म पौराणिक कथाओं और आधुनिक हास्य का अनोखा संगम पेश करेगी। इसी दिन वरुण धवन और कृति सैनन की हॉरर कॉमेडी 'भेड़िया 2' भी बड़े पर्दे पर दस्तक देगी, जो मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स का हिस्सा है। वहीं संजय लीला भंसाली की भव्य फिल्म 'लव एंड वॉर' भी 2026 की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में शामिल है। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर यह फिल्म रोमांस और संघर्ष की भावनात्मक कहानी दिखाएगी। रजनीकांत की एक्शन थ्रिलर 'जेलर 2' भी अगस्त में रिलीज होगी, जिसकी शूटिंग अंतिम चरण में है। प्रभास की एक्शन ड्रामा फिल्म 'फौजी' के स्वतंत्रता दिवस वीकेंड के आसपास रिलीज होने की संभावना है, जबकि सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' देशभक्ति की भावना को बड़े पैमाने पर पेश करेगी। इसके अलावा सनी देओल की 'लाहौर 1947' 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में आएगी, जिसमें पहली बार सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ जुड़े हैं।

'मेरे पास पैसे नहीं हैं', तिहाड़ जेल में सरेंडर से पहले रो पड़े राजपाल यादव

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों अपने चेक बाउंस मामले को लेकर चर्चा में हैं। अदालत के आदेश के बाद उन्होंने 5 फरवरी 2026 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया। सरेंडर से पहले उनका एक भावुक बयान सामने आया है, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया है। अभिनेता ने अपनी आर्थिक तंगी और अकेलेपन को लेकर दर्द बयां किया, जिससे साफ झलकता है कि वह इस मामले को लेकर मानसिक रूप से काफी परेशान हैं।

फिल्मीबीट की रिपोर्ट के अनुसार, तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण से पहले राजपाल यादव भावुक हो गए। उन्होंने कथित तौर पर कहा, "सर, मेरे पास पैसे नहीं हैं। कोई रास्ता नहीं दिखता। यहां हम सब अकेले हैं, मेरे कोई दोस्त भी नहीं हैं। मुझे अपनी इन समस्याओं से खुद ही निपटना होगा।" उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी हालत पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

दरअसल, यह मामला अभिनेता का करीब 16 साल पुराना है। साल 2010 में रिलीज हुई उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'अता पता लापता' के लिए उन्होंने मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से करीब 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, जिसके बाद राजपाल यादव लोन चुकाने में असफल रहे। अभिनेता और उनकी पत्नी द्वारा दिए गए चेक भी बाउंस हो गए, जिसके बाद उनके खिलाफ नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत केस दर्ज किया गया। अप्रैल 2018 में कोर्ट ने राजपाल यादव और उनकी पत्नी को छह महीने की सजा सुनाई थी, हालांकि बाद में हाई कोर्ट से सजा पर स्टे मिल गया। लेकिन सेटलमेंट न होने के कारण यह स्टे हटा दिया गया और ब्याज व जुर्माने को मिलाकर रकम करीब 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। राजपाल यादव ने आंशिक रूप से करीब 75 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन पूरी रकम नहीं चुका पाए। 4 फरवरी 2026 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी अंतिम याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद 5 फरवरी को उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया।

बजट सत्र में दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि

मोबाइल उपयोग पर सख्त दिखे अध्यक्ष सतीश महाना

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही भावुक माहौल में शुरू हुई। सदन में उन पूर्व विधायकों और सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई, जिनका हाल ही में निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत सभी दलों के विधायकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा के बाद सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई, जब सरकार अपना वार्षिक बजट पेश करेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना अनुशासन को लेकर सख्त नजर आए। सदन के बीच मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने पर उन्होंने फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल का मोबाइल फोन जमा करा लिया। अध्यक्ष की इस कार्रवाई से सदन में स्पष्ट संदेश गया कि कार्यवाही के दौरान अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सतीश महाना ने बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान हुए हंगामे पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद के प्रति सम्मान बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन सदन की गरिमा के लिए आवश्यक है। इधर, विधान परिषद में प्रश्नकाल की कार्यवाही सुचारु रूप से शुरू हुई। वहीं, कुछ विधायक अपनी-अपनी मांगों को लेकर अलग अंदाज में नजर आए। जसराना से विधायक सचिन यादव हाथ में तख्ती लेकर विधानसभा पहुंचे, जिस पर अपने क्षेत्र में बाईपास निर्माण की मांग लिखी थी।

बजट सत्र को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है। सोमवार को सरकार ने आर्थिक समीक्षा पेश की थी, जबकि बुधवार को बजट पेश होने के साथ ही सदन में विकास, रोजगार और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर तीखी बहस होने की संभावना है।

लखनऊ में यूजीसी समर्थन मार्च के दौरान बवाल

पुलिस से पल्लवी पटेल की झड़प, सड़क पर बैठकर दिया धरना

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में निकाले जा रहे पैदल मार्च के दौरान अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। यह मार्च आईटी चौराहे से विधानसभा की ओर बढ़ रहा था, लेकिन रिजर्व पुलिस लाइन के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पल्लवी पटेल ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की, जिस पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसी दौरान पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पल्लवी पटेल सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

पुलिस ने काफी देर तक उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वह हटने को तैयार नहीं हुईं, तो पुलिस ने उनके साथ मौजूद कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इसके बावजूद पल्लवी पटेल सड़क पर बैठी रहीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने पल्लवी पटेल समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। इस दौरान आईटी चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों को अनदेखा कर रही है और जब तक वॅउ इक्विटी रेगुलेशन लागू नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा।

संभल हिंसा केस में पूर्व डीएसपी अनुज चौधरी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

एफआईआर के आदेश पर लगी रोक

यूनिक समय, प्रयागराज। संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में तत्कालीन डीएसपी अनुज चौधरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है।

हाईकोर्ट ने सीजेएम कोर्ट के उस आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिसमें अनुज चौधरी सहित 22 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई करीब पांच सप्ताह बाद तय की है, तब तक सीजेएम कोर्ट का आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। यह मामला उस समय का है, जब जामा मस्जिद को लेकर किए जा रहे सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए और चार लोगों की मौत की भी बात सामने आई थी। इस घटना को लेकर सीजेएम कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच करते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

अनुज चौधरी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, वहीं राज्य सरकार की ओर से भी आदेश के खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए एफआईआर के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट के इस फैसले से अनुज चौधरी और अन्य पुलिसकर्मियों को फिलहाल राहत मिली है, जबकि आगे की कानूनी स्थिति अगली सुनवाई के बाद स्पष्ट होगी।

बिजनौर में खाकी पर दाग

हेड कांस्टेबल-महिला सिपाही के आपत्तिजनक वीडियो वायरल, दोनों निलंबित

यूनिक समय, बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से पुलिस महकमे को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। थाना रेहड़ में तैनात एक हेड कांस्टेबल और महिला सिपाही के पांच आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। वीडियो सामने आते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, वायरल हुए पांच वीडियो में दोनों पुलिसकर्मी बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक वीडियो में महिला सिपाही वर्दी में नजर आ रही है, जबकि अन्य वीडियो सामान्य कपड़ों में बताए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि ये वीडियो सरकारी आवास के भीतर बनाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और वीडियो उनकी सहमति से बनाए गए थे।

मामले के सामने आने के बाद पुलिस विभाग में अफरा-तफरी का माहौल है। इस घटना ने न सिर्फ पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि अनुशासन और आचार संहिता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने साफ कहा है कि विभाग में अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय जांच के बाद दोषी पाए जाने पर दोनों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकरण को पुलिस प्रशासन बेहद गंभीरता से ले रहा है।

मोबाइल की लत ने बिगाड़ी मानसिक सेहत

फोन छीना तो खुद को चुड़ैल बताने लगी युवती

यूनिक समय, प्रयागराज। डिजिटल युग में मोबाइल फोन किशोरों और युवाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसकी लत अब गंभीर मानसिक समस्याओं का कारण बनती जा रही है। प्रयागराज के मनौरी क्षेत्र से सामने आए एक मामले ने अभिभावकों और समाज दोनों को चिंता में डाल दिया है। यहां 19 वर्षीय एक युवती मोबाइल फोन छीनने के बाद खुद को चुड़ैल बताने लगी और अजीब, डरावना व्यवहार करने लगी।

परिजनों के अनुसार युवती दिन-रात मोबाइल पर लगी रहती थी। लगातार स्क्रीन देखने की आदत से परेशान होकर उसके भाई ने अचानक उसका फोन छीन लिया। इसके बाद युवती ने बाल खोल लिए, डरावनी आवाजें निकालने लगी और खुद को चुड़ैल कहने लगी। परिवार पहले उसे ओझा-तांत्रिक के पास ले गया, लेकिन स्थिति न सुधरने पर मुंडेरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि यह किसी अंधविश्वास या ऊपरी साये का मामला नहीं, बल्कि मोबाइल की अत्यधिक लत से जुड़ी मानसिक समस्या है। चिकित्सकों के अनुसार युवती डिसोसिएटिव डिसऑर्डर या सिजोफ्रेनिया जैसी बीमारी से पीड़ित हो गई थी। इस तरह की स्थिति में मरीज असामान्य आवाजें निकाल सकता है, हिंसक या अजीब व्यवहार कर सकता है और कभी-कभी बेहोश भी हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोबाइल की लत अचानक छुड़ाने से दिमाग पर गहरा तनाव पड़ता है। इससे न्यूरोट्रांसमीटर का संतुलन बिगड़ सकता है, जो मानसिक विकार का रूप ले लेता है। नीली रोशनी के कारण नींद की कमी, चिड़चिड़ापन और अवसाद की समस्या भी बढ़ जाती है।

मनोचिकित्सकों की सलाह है कि बच्चों और युवाओं से मोबाइल अचानक न छीना जाए। स्क्रीन टाइम धीरे-धीरे कम करना चाहिए, समय सीमा तय करनी चाहिए और उन्हें खेल-कूद व पारिवारिक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है। डॉक्टरों ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में अंधविश्वास से दूर रहकर तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से इलाज कराना बेहद जरूरी है।

हालात काबू में करने को पुलिस को करना पड़ा हल्का बल प्रयोग

मासूम शर्मा की नाइट में उमड़ा जनसैलाब, टूटीं कुर्सियां

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ नुमाइश के कोहिनूर मंच पर 9 फरवरी की रात हरियाणवी गायक मासूम शर्मा की प्रस्तुति दर्शकों के लिए यादगार तो रही, लेकिन अव्यवस्था और बेकाबू भीड़ के कारण यह आयोजन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया। कार्यक्रम शुरू होने से करीब दो घंटे पहले ही दर्शक दीर्घाएं खचाखच भर गईं। वीवीआईपी दीर्घा को छोड़कर सभी दीर्घाएं फुल होने के बाद पुलिस ने प्रवेश बंद कर दिया, लेकिन इसके बावजूद हजारों लोग बाहर सड़कों पर खड़े होकर अंदर जाने की कोशिश करते रहे।

रात करीब 9:38 बजे जैसे ही मासूम शर्मा मंच पर पहुंचे, तालियों और सीटियों से पूरा पंडाल गूंज उठा। उन्होंने 'बोल तेरी मीठी-मीठी', 'मैडम बैठ बुलेरो में', 'हम रात के शिकारी' और 'गुंडागर्दी' जैसे सुपरहिट गीत गाए, जिन पर युवा दर्शक झूम उठे। उत्साह इस कदर बढ़ गया कि पीछे की दीर्घा में कुछ लोगों ने कुर्सियां तक फेंक दीं। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को कई बार हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को नियंत्रित करना पड़ा। भीड़ के दबाव को देखते हुए सांसद सतीश गौतम ने स्वयं मौके पर पहुंचकर बाहर खड़े लोगों को समझाया और व्यवस्था बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सांसद सतीश गौतम, हाथरस सांसद अनूप प्रधान, भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णपाल लाला और पूर्व महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मासूम शर्मा के साथ मुंबई से आए कलाकार विकास रजाना और नितिन त्रिखा ने भी प्रस्तुति दी।

उधर, नुमाइश की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर शाम से ही जाम की स्थिति बनी रही। शहंशाह तिराहा, मसूदाबाद और तस्वीर महल क्षेत्र में देर रात तक वाहन रेंगते नजर आए। पास वितरण को लेकर भी दिनभर अफरा-तफरी रही और सिफारिशों के आरोप लगे। कुल मिलाकर, मासूम शर्मा की नाइट ने नुमाइश की रौनक तो बढ़ाई, लेकिन भीड़ प्रबंधन की पोल भी खोल दी।

सार संक्षेप

संसद में अहम बैठक : तीन बड़े विधेयक पर चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त समिति में संविधान (130वां संशोधन), जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन और केंद्र शासित प्रदेश संशोधन विधेयक पर ब्रीफिंग होगी। नेशनल लॉ स्कूल, दिल्ली यूनिवर्सिटी और राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि विधेयकों पर अपनी प्रस्तुति देंगे। इनमें गंभीर आपराधिक मामलों में मंत्रियों को पदमुक्त करने के प्रावधान शामिल हैं।

पीएम मोदी ने शरद पवार का हाल जाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन कर शरद पवार का हालचाल जाना। पवार हाल ही में चेस्ट इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे और उन्हें चार-पाँच दिन की देखभाल की जरूरत है। पीएम की यह व्यक्तिगत चिंता राजनीतिक और मानवीय दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अमेरिका-भारत डिजिटल डील में बड़ा बदलाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने भारत के साथ डिजिटल व्यापार डील की फैक्ट शीट जारी की। भारत अपनी डिजिटल सर्विसेज टैक्स (डीएसटी) हटाएगा और बड़े विदेशी कंपनियों के डिजिटल व्यापार पर सीमा शुल्क नहीं लगाएगा। इससे अमेरिकी कंपनियों को व्यापार आसान और सस्ता होगा, लेकिन सरकार के टैक्स राजस्व पर असर पड़ेगा।

बीएसएफ ने पाकिस्तान ड्रोन से हेरोइन बरामद की

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमृतसर जिले में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से 2 पैकेट हेरोइन बरामद किए। 117 बटालियन की कार्रवाई के दौरान इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी रहा। ड्रोन के जरिए ड्रग तस्करी की यह कोशिश पकड़ी गई। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल कार्रवाई में लगातार सक्रिय हैं।

दिल्ली में नाबालिग की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के ख्याला इलाके में 14 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी गई। पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

सुप्रिया सुले की बेटी रेवती सुले की शादी तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। बारामती सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती सुले का विवाह सारंग अरुण लखानी से तय हुआ। इस रिश्ते को तय कराने में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मध्यस्थता की। परिवार और राजनीतिक हस्तियों ने मिलकर यह खुशी का अवसर सुनिश्चित किया।

लोकसभा स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

यूनिक समय, नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सचिवालय में भेज दिया है। इस नोटिस पर कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इस पर साइन नहीं किया। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने भी इसे समर्थन नहीं दिया।

विपक्ष ने संविधान के आर्टिकल 94 (सी) के तहत यह नोटिस दिया है। नोटिस में चार प्रमुख आरोप शामिल हैं। पहला, 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी को सदन में अपनी बात रखने से रोके जाने का मामला। दूसरा, 3 फरवरी को आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन। तीसरा, 4 फरवरी को सत्ता पक्ष के सांसद द्वारा दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ

आपत्तिजनक टिप्पणी, जिसे विपक्ष की आपत्ति के बावजूद रोका नहीं गया। चौथा, स्पीकर द्वारा विपक्षी महिला सांसदों को लेकर की गई टिप्पणी। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले सांसदों का कहना है कि वे व्यक्तिगत रूप से स्पीकर का सम्मान करते हैं, लेकिन उनके व्यवहार में भेदभावपूर्ण रवैया देखा गया। इसके अलावा, टीएमसी के सांसदों ने

राहुल गांधी ने नहीं किया साइन

प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया है, जबकि कुल 118 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। विपक्ष का तर्क है कि स्पीकर का रवैया संसदीय गरिमा और निष्पक्षता के सिद्धांतों के विपरीत रहा है। इस कदम के बाद संसद में राजनीतिक बहस और चर्चा तेज होने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव के बावजूद स्पीकर की स्थिति पर अंतिम फैसला सदन की प्रक्रिया और राजनीतिक समीकरणों पर निर्भर करेगा। इस प्रस्ताव ने संसद में हलचल बढ़ा दी है और आगामी दिनों में इसके संसदीय प्रक्रिया में शामिल होने और चर्चा के दौरान कई राजनीतिक घटनाएं देखने को मिल सकती हैं।

राहुल गांधी की वजह से फंसे पूर्व सेना प्रमुख

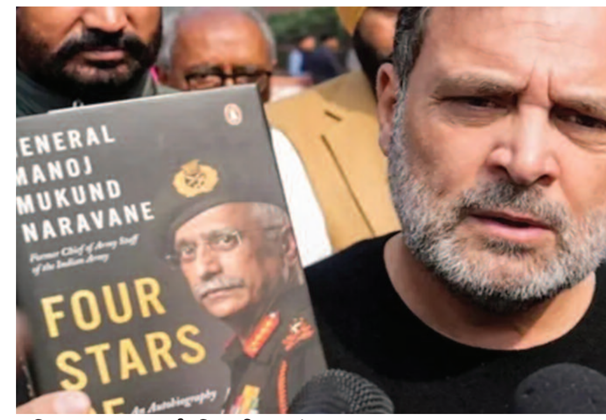

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के अनधिकृत ऑनलाइन प्रसार के मामले में दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, पुस्तक का प्री-प्रिंट पीडीएफ संस्करण बिना आधिकारिक अनुमति के सोशल मीडिया और कई वेबसाइटों पर साझा किया गया। यह किताब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित की जानी है, लेकिन अभी इसके लिए आवश्यक मंजूरी नहीं मिली थी। जांच में सामने आया है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किताब का कवर पेज तक दिखाया जा रहा था,

किताब छापने वाले के खिलाफ दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

जिससे इसके पहले से बिक्री में होने का भ्रम पैदा हुआ। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए साइबर क्राइम/स्पेशल सेल जांच कर रही है और डिजिटल फॉरेंसिक के जरिए लीक के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। इस प्रकरण को राजनीतिक रंग तब मिला जब हाल ही में राहुल गांधी को संसद परिसर में इसी किताब की प्रति के साथ देखा गया था। इसके बाद संसद में हंगामा भी हुआ था।

एपस्टीन फाइल्स का सियासी असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कुख्यात एपस्टीन फाइल्स के खुलासों ने ब्रिटेन की राजनीति में उथल-पुथल मचा दी है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के करीबी और चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी ने पीटर मैंडेलसन की नियुक्ति की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया है। जेफरी एपस्टीन से नाम जुड़ने के कारण मैंडेलसन को पहले ही पद से हटाया जा चुका है।

इस राजनीतिक संकट के बीच लेबर पार्टी की वरिष्ठ नेता शबाना मेहमूद का नाम तेजी से उभर रहा है। माना जा रहा है कि अगर स्टार्मर को पद छोड़ना पड़ा, तो शबाना मेहमूद ब्रिटेन की अगली प्रधानमंत्री बन

शबाना मेहमूद बनीं ब्रिटेन की अगली पीएम की प्रबल दावेदार

सकती हैं। ऐसा होने पर वह देश की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री होंगी।

1980 में बर्मिंघम में जन्मीं शबाना मेहमूद ऑक्सफोर्ड से कानून की पढ़ाई कर चुकी हैं और पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 से सांसद रहीं शबाना फिलहाल गृह सचिव हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा व इमिग्रेशन जैसे अहम विभाग संभाल रही हैं। भारत को लेकर उनका रुख व्यावहारिक और सहयोग बढ़ाने वाला माना जाता है।

ड्रग तस्करी केस में हुमायूं कबीर के दामाद पर बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में ड्रग तस्करी से जुड़े एक बड़े मामले में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आदेश पर पुलिस ने हुमायूं कबीर के दामाद रेहान इस्लाम और उसके पिता शरीफुल इस्लाम की करीब 10.73 करोड़ रुपये की संपत्तियों की जब्ती शुरू कर दी है। एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत की गई इस कार्रवाई में अब तक तीन संपत्तियां अटैच की जा चुकी हैं, जिनमें एक आवास, बैंक्वेट हॉल और निजी स्कूल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी अवैध ड्रग नेटवर्क से जुड़े रहे हैं और संपत्तियों के वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। शेष संपत्तियों, कारों और बैंक खातों पर भी जल्द कार्रवाई होगी।

कैश, प्रॉपर्टी और गाड़ी खरीद पर बदले पैन के नियम

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पैन कार्ड से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव का संकेत दिया है। बजट 2026 के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 से संबंधित मसौदा नियम और फॉर्म सार्वजनिक टिप्पणी के लिए जारी किए हैं। इन प्रस्तावित नियमों के तहत कैश ट्रांजैक्शन, प्रॉपर्टी, वाहन खरीद और बड़े खर्चों पर पैन की अनिवार्यता में अहम बदलाव किए गए हैं। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के एक या एक से अधिक बैंक खातों में एक वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 10 लाख रुपये या उससे अधिक की नकद जमा या निकासी होती है, तो पैन देना अनिवार्य होगा। मौजूदा व्यवस्था में यह सीमा प्रतिदिन 50 हजार रुपये से अधिक कैश लेन-देन पर लागू होती है।

वाहन खरीद से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव प्रस्तावित है। नए नियमों के तहत 5 लाख रुपये से अधिक कीमत की कार या बाइक खरीदने पर पैन देना जरूरी होगा। फिलहाल कार खरीदने पर कीमत चाहे जितनी भी हो पैन देना पड़ता है, जबकि बाइक के लिए यह अनिवार्य नहीं है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में भी राहत का प्रस्ताव है। अचल संपत्ति की खरीद, बिक्री, गिफ्ट या जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट के लिए पैन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, कन्वेंशन सेंटर या इवेंट मैनेजमेंट में 1 लाख रुपये से अधिक के भुगतान पर पैन देना जरूरी होगा। अभी यह सीमा 50 हजार रुपये है। सरकार का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और नकद लेन-देन पर निगरानी मजबूत करना है।

हिमंत बिस्वा सरमा वायरल वीडियो मामले में बुरे फंसे

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के राइफल वाले वायरल वीडियो मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। वामपंथी दलों के नेताओं द्वारा दायर याचिका पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले पर विचार करने की बात कही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि वायरल वीडियो में मुख्यमंत्री एक विशेष समुदाय की ओर राइफल से निशाना साधते नजर आ रहे हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंची है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता निजाम पाशा ने इसे गंभीर मामला बताते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

इस पर सीजेआई सूर्य कांत ने टिप्पणी की कि चुनावी माहौल में कई

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को हुआ सहमत

विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं, लेकिन अदालत इस मामले की समीक्षा करेगी। विवाद बढ़ने के बाद वीडियो को सोशल मीडिया से हटा दिया गया था। अब इस पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

मणिपुर हिंसा: उखरुल में तनाव, कई घरों में आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर के उखरुल जिले में तांगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिटान सारेइखोंग गांव में हथियारबंद उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी और गोलीबारी की। घटना के तुरंत बाद प्रशासन ने पूरे जिले में कर्फ्यू लगा दिया और इंटरनेट सेवाओं को 5 दिन के लिए बंद कर दिया।

पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने खाली मकानों को निशाना बनाया और आग लगाई। स्थानीय लोग अपने घरों को छोड़ सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। घटना से इलाके में डर और आतंक फैल गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में धुआं और आग के दृश्य दिखाई दे रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में मणिपुर के उखरुल और कामजोंग जिलों में तांगखुल नगा और कुकी समुदायों

के बीच तनाव बढ़ता रहा है। यह तनाव हाल ही में बढ़ा जब दो तांगखुल नगा संगठनों ने कुकी समुदाय की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की घोषणा की। इस फैसले के विरोध में उग्रवादी कार्रवाई हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षेत्रीय राजनीति, भूमि और संसाधन विवाद, तथा ऐतिहासिक मतभेद इस हिंसा के पीछे मुख्य कारण हैं। स्थानीय प्रशासन लगातार सुलह प्रयास कर रहा है, लेकिन घटनाओं की तीव्रता और हथियारबंद समूहों की सक्रियता इसे चुनौतीपूर्ण बना रही है।

राज्य सरकार ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और पूरे उखरुल जिले में कर्फ्यू लगा दिया। इंटरनेट सेवाओं को रोकने का उद्देश्य अफवाहों और झूठी खबरों से होने वाली हिंसा को रोकना है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया और प्रभावित गांवों में पैट्रोलिंग बढ़ाई गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है और सुरक्षा बल रात-दिन इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं। प्रभावित समुदाय और पलायनः हिंसा के कारण सैकड़ों लोग, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं, सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। अधिकांश लोग कुकी बहुल कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और सैकुल के कुछ हिस्सों में शरण ले चुके हैं। स्थानीय लोगों ने सुरक्षाबलों पर नाराजगी जताई कि वे समय पर आगजनी और गोलीबारी रोकने में असफल रहे। इस नाराजगी ने प्रशासन पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है।

सरकारी और राजनीतिक बयानः मणिपुर के मंत्री गोविंदास कोंथोजाम ने कहा कि अब तक कम से कम 21 मकान जलाए जा चुके हैं और

इंटरनेट 5 दिन के लिए बंद

स्थिति अभी भी गंभीर है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि हिंसा को नियंत्रित करने और प्रभावित लोगों की मदद के लिए राहत शिविर स्थापित किए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि इंटरनेट सेवाओं को 5 दिन के लिए बंद करना आवश्यक कदम था, ताकि अफवाहों और सामाजिक तनाव को फैलने से रोका जा सके। मानवाधिकार और स्थानीय प्रतिक्रियाएंः राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि हिंसा प्रभावित लोगों को तुरंत राहत दी जाए और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

ठगी करने वालों ने दो व्यापारियों को बनाया शिकार

प्लॉट बेचने पर हड़पे दस लाख

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ठगों ने शहर मे प्लॉट बेचने और चांदी के जेवर बनाने का झांसा देकर दो लोगों से करीब 18 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली और फरार हो गए। ठगी का शिकार हुए लोगों ने एसएसपी से शिकायत कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। राधा ऑर्चिड निवासी महेश गर्ग ने एसएसपी को दी गई शिकायत में कहा कि वृंदावन निवासी दिनेश अग्रवाल, उसके पुत्र मुकुंद अग्रवाल और उनके सहयोगी मनोज वर्मा का उनके घर आना-जाना था। घर आने जाने के कारण इन लोगों पर विश्वास हो गया था। इन लोगों ने बताया कि

चांदी के जेवर बनाने पर हड़पी आठ लाख से अधिक की चांदी

एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने मामले की जांच की शुरू

उनका एक प्लॉट वृंदावन बांगर में है, जिसे वे व्यापार में पैसों की जरूरत के चलते बेचना चाहते हैं। आरोपियों ने बाजार से कम कीमत पर प्लॉट देने का प्रस्ताव रखा और प्लॉट दिखाया, जो पसंद आने पर 50 लाख रुपये में सौदा तय हो गया। विश्वास दिलाने के लिए इन लोगों ने प्लॉट के बैनामे की फोटो कॉपी भी दी और तीन माह में रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया। 5 अगस्त 2025 को पीड़ित महेश गर्ग ने अपने आवास पर दिनेश, मुकुंद और मनोज वर्मा को 10 लाख रुपये नकद एडवांस के रूप में दे दिए। इसके बाद इन लोगों ने समय बीतने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई और बहाने बनाते रहे। इनके मोबाइल बंद आने लगे। घर पर जाकर देखा तो वहां ताला लगा मिला। बाद में पता लगा कि इन लोगों ने फर्जी तस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने के बाद शहर छोड़ कर चले गए। दूसरा मामला शहर के गुड़हाई बाजार स्थित चांदी कारोबारी राकेश गोयल का है। उससे भी दिनेश अग्रवाल, मुकुंद और मनोज वर्मा ने चांदी के जेवर बनाने का झांसा देकर 5 किलो चांदी ले ली, जिसकी कीमत करीब 8 लाख 24 हजार रुपये है। आरोपियों ने चांदी के जेवरातों को बनाकर देने के लिए दस पंद्रह दिन का समया लिया था। समय बीत जाने के बाद ये लोग टालमटोल करते रहे और अंततः फरार हो गए। दोनों पीड़ितों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही पुलिस कोई कार्रवाई करेगी।

सीएम डैशबोर्ड व आईजीआरएस की समीक्षा में सख्त हुए डीएम

सीएम डैशबोर्ड व आईजीआरएस की समीक्षा करते डीएम सीपी सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड (राजस्व), कर एवं गैर-कर मद, राजस्व प्रशासन, चकबंदी, राजस्व वाद, आईजीआरएस संदर्भ तथा खाद्य सुरक्षा एवं खाद्य-रसद विभाग से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव व मंडलायुक्त स्तर से अग्रसारित संदर्भों पर संबंधित अधिकारी स्वयं संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और तय समय-सीमा में किया जाए, जिससे फरियादियों को संतुष्टि मिल सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी, वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा), एएमए जिला पंचायत, फरह, राधाकुंड एवं नंदगांव के अधिशासी अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, एडीओ पंचायत राया तथा अधिशासी अभियंता सिंचाई मांट ब्रांच को आईजीआरएस पर प्रकरण प्रगति में रहने को लेकर स्पष्टीकरण जारी करने के

लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। प्रातः 10 से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जन-सुनवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही धारा 80, 24, 116, 34 सहित अन्य मामलों का समयबद्ध निपटारा कर पांच वर्ष से अधिक पुराने प्रकरणों को समाप्त करने पर जोर दिया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर अभिनव जे. जैन, उप जिलाधिकारी गोवर्धन प्राजक्ता त्रिपाठी, छाता वैभव गुप्ता, महावन कंचन, डिप्टी कलेक्टर दीपिका नरेंद्र यादव व ऊषा सिंह, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन राजकुमार चौधरी, जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह, जिला कमांडेंट होमगार्ड डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, उपायुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार सहित तहसील स्तर एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने साइबर सेल की मदद से बरामद किया चलित एटीएम

यूनिक समय, कोसीकला (मथुरा)। पुलिस ने गढ़ी बरबारी चौकी क्षेत्र के गाँव पुठरी के एक मकान के घर पर खड़ी मोबाइल एटीएम गाड़ी बरामद की है। इसे साइबर सेल की मदद से बरामद किया गया है। पुलिस ने मकान स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्राइम प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने एक सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए मोबाइल एटीएम की गाड़ी को गाँव पुठरी निवासी रामनिवास के घर से बरामद की है। मोबाइल एटीएम मशीन के आसपास से नकदी निकालने वाली कई पर्चियां भी बरामद की हैं। हिटाची कंपनी का गाड़ी में एटीएम लगा हुआ है। अब यह एटीएम किस बैंक से सम्बंधित है इसकी गहनता से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

चोरी का माल बरामद होने वाले को दी कोर्ट ने सजा

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम प्रथम ने चोरी का माल बरामद होने वाले अभियुक्त को नौ माह की सजा और 2 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। कोतवाली पुलिस ने मछली मंडी मस्जिद वाली गली भरतपुर गेट निवासी नईम को पुलिस ने चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम प्रथम के कोर्ट में हुई। एसीजेएम ने नईम को दोषी मानते हुए नौ माह की सजा और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

तमंचा कारतूस रखने वाले को कोर्ट ने दी सजा

यूनिक समय, मथुरा। सीजेएम न्यायालय ने एक अभियुक्त को तमंचा व कारतूस रखने के आरोप में दोषी ठहराते हुए जेल में बिताई गई अवधि की सजा और दो हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जैंत पुलिस ने अभियुक्त भिक्को को एक देशी तमंचा और दो कारतूस रखने के मामले में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई सीजेएम कोर्ट में हुई। सीजेएम ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए उसके द्वारा जेल में बिताई गई अवधि की सजा और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण में बड़ा फेरबदल किया गया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. के निर्देश पर सचिव आशीष कुमार सिंह ने सोमवार को आदेश जारी करते हुए शहर के विभिन्न सेक्टरों में तैनात अवर अभियंताओं के कार्यक्षेत्रों में बड़ा बदलाव किए हैं। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ रहे अवैध निर्माणों पर प्रभावी रोक लगाना और शमन संबंधी मानचित्रों की पत्रावलियों का त्वरित निस्तारण करना है। सचिव आशीष कुमार सिंह प्राधिकरण ने पूरे क्षेत्र को 12 सेक्टरों में विभाजित करते हुए जिम्मेदारियां सौंपी है। वृंदावन क्षेत्रः सेक्टर-01 (छटीकरा से वृंदावन दांई ओर) की जिम्मेदारी सुनील कुमार राजौरिया को दी गई है। सेक्टर-02 (वृंदावन शहर) का कार्यभार बदन सिंह संभालेंगे। मथुरा शहर व यमुना पारः सेक्टर-03 (यमुना पार) के लिए अनिल सिंघल और सेक्टर-04 (मथुरा शहर) के लिए बदन सिंह को नामित किया गया है। हाईवे और सीमावर्ती क्षेत्रः सेक्टर-05 (गोकुल बैराज से

उपाध्यक्ष के निर्देश पर सचिव ने जारी किया आदेश

आगरा सीमा) की जिम्मेदारी मनोज अग्रवाल को मिला है। वहीं गोवर्धन-राधाकुण्ड क्षेत्र (सेक्टर-10) का जिम्मा हिमांशु दिवाकर को सौंपा गया है। कोसी-नन्दगाँव क्षेत्रः सेक्टर-11 में मनोज अग्रवाल कार्यों की देखरेख करेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अनिल सिंघल (अवर अभियंता) के अवकाश से लौटने तक उनके आवंटित क्षेत्र (सेक्टर-03) का कार्य बदन सिंह द्वारा अतिरिक्त रूप से देखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल उन शिकायतों के बाद किया गया है जिनमें कुछ क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों की गति बढ़ने की बात सामने आई थी। नए आवंटन के बाद अब अवर अभियंताओं के साथ-साथ संबंधित सहायक अभियंताओं जैसे पंकज शुक्ला, सुमित कुमार-प्रथम और सुमित कुमार-द्वितीय की जवाबदेही भी तय कर दी गई है।

ब्रज की होली पर बुकिंग शुरू

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की होली खेलने और देखने के लिए देश के कोने-कोने से हर कोई यहां आने को लालायित रहता है। अभी से स्थिति यह है कि यात्रियों ने अभी से वृंदावन, बरसाना, मथुरा और गोवर्धन में अपने लिए कमरे बुक कराने शुरू करा दिए हैं। हर रोज किसी न किसी गेस्ट हाउस, आश्रम और होटलों के मैनेजरों के पास फोन आ रहे हैं। कमरे बुक किए जा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि नए साल की तरह होली पर भी अच्छा बिजनेस होगा। श्रद्धालु बरसाना, नंदगांव की लठामार होली, वृंदावन, मथुरा में कृष्ण जन्म भूमि, बलदेव, फालैन समेत अन्य क्षेत्रों की होली की मस्ती में झूमेंगे। ब्रज में अबीर गुलाल समेत पानी का रंग 24-25 फरवरी से शुरू हो जाएगा। रंग भरनी एकादशी को तो वृंदावन में होली की शुरुआत होगी। वृंदावन की परिक्रमा लगाने के लिए लाखों श्रद्धालु

गेस्ट हाउस, होटल और आश्रम के कमरों की बुकिंग

व्यापारियों को भी होली पर अच्छा बिजनेस होने की उम्मीद

आएंगे। इस दिन ठाकुर राधावल्लभ मंदिर से प्रिया प्रियतम होली खेलने के लिए नगर का भ्रमण करेंगे। उसी के साथ यहां के मंदिरों में रंग बरसना शुरू हो जाएगा। होली पर आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए व्यापारियों को भी अच्छा बिजनेस होने की उम्मीद है। व्यापारियों ने ठाकुरजी के पोशाक के साथ अन्य सामान भी स्टाक में मंगा लिया है। होली पर आने वाले श्रद्धालु खरीदारी करके अपने घर सामान को ले जाएंगे।

वृंदावन में सूखते जा रहे वृक्षों की रक्षा करेंगे विवेक महाजन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन में चारों ओर इंटरलॉकिंग लगाने एवं कंक्रीट की सड़क बनाकर वृक्षों के तनों को इस प्रकार जकड़ दिया है कि उनमें बारिश की एक बूंद का पानी भी न जा सके। वृक्षों को उचित पोषक तत्व न मिल सके। इनकी कमी से वृक्ष बीमारियों से ग्रसित और सूख जाएंगे। आक्रोश जाहिर करते हुए गरीब एकता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक महाजन ने कहा कि छटीकरा से लेकर इस्कॉन मंदिर तक अधिकांश वृक्षों पर सूखने का संकट है। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में ऐसे वृक्ष हैं जिनको इंटरलॉकिंग लगाकर और कंक्रीट की स्थाई सड़क बनाकर सूखने के लिए मजबूर किया जा रहा है और कई वृक्ष इस वजह से सूख भी गए। इस्कॉन मंदिर के सामने दो प्राचीन पीपल के पेड़ भी इसी कारण सूख गए हैं। उन्होंने कहा कि मार्ग पर कई स्थानों पर तो वृक्षों को स्थाई लोहे की चादर से ढक दिया गया है जिसे वृक्षों को

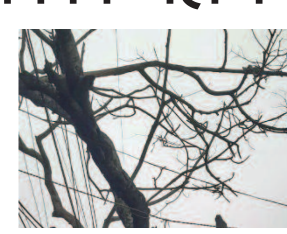

ना तो जड़ों में पानी मिल रहा है। न ही उचित धूप मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों अधिकारी एवं समाज के जिम्मेदार लोग गुजरते हैं पर ध्यान नहीं है। यदि जड़ों तक उचित पानी नहीं पहुंचेगा तो वृक्ष सूख ही जाएंगे। उन्होंने कहा कि वन विभाग एवं अन्य विभाग जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। आंखें मूंद कर सो रहे हैं। यदि समय रहते हुए वन विभाग ध्यान नहीं देगा तो गरीब एकता दल के कार्यकर्ता स्वयं जेसीबी लगाकर ऐसे वृक्षों के आसपास के इंटरलॉकिंग और सड़क उखाड़ने के लिए मजबूर होगा। किसी भी हाल में वृक्षों का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े।

जिले में 34 आयुर्वेदिक फार्मेसियों में बन रही हैं दवाएं

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण लगातार किया जा रहा है। जिले में इस समय करीब 34 आयुर्वेदिक फार्मेसियां चल रही हैं, जहां आयुर्वेद की लगभग सभी तरह की दवाएं बनाई जाती हैं। इन फार्मेसियों में चूर्ण, गोलियां, वटी, काढ़ा और खांसी के सिरप जैसी दवाएं तैयार की जा रही हैं। इनका उपयोग जिले के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी किया जाता है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. गोपाल सिंह ने बताया कि जिले की सभी आयुर्वेदिक फार्मेसियां विभाग में पंजीकृत हैं और इनके लाइसेंस हर पांच साल में नवीनीकृत किए जाते हैं। लाइसेंस नवीनीकरण के दौरान फार्मेसी का निरीक्षण किया जाता है, जिसमें दवाओं के निर्माण की प्रक्रिया, साफ-सफाई और भंडारण की जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले कई फार्मेसियों को नोटिस जारी किए गए थे, क्योंकि उन्होंने समय पर विभागीय निरीक्षण नहीं कराया था। नोटिस मिलने के बाद फार्मेसी संचालकों ने नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि आयुर्वेदिक दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए समय-समय पर दवाओं के नमूने लिए जाते हैं। इन नमूनों को जांच के लिए भेजा

चूर्ण, गोली और खांसी सिरप तक का होता है निर्माण

हर पांच साल में होता है लाइसेंस नवीनीकरण

जाता है, जहां यह देखा जाता है कि दवाएं सही तरीके से बनाई जा रही हैं या नहीं। इससे दवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखी जाती है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान दवाओं की पैकिंग, कीमत, लेबल और एक्सपायरी तारीख भी देखी जाती है। फिलहाल जिले में किसी भी फार्मेसी के खिलाफ खराब दवा बनाने या नियमों की अनदेखी की कोई शिकायत नहीं मिली है। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि आयुर्वेदिक दवाओं की एक्सपायरी अवधि अलग-अलग होती है। कुछ दवाएं एक साल तक सही रहती हैं, जबकि कुछ दवाओं की अवधि तीन साल से लेकर सात साल तक होती है। सभी दवाओं पर एक्सपायरी तारीख लिखना जरूरी होता है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले की सभी आयुर्वेदिक फार्मेसियों का पंजीकरण लखनऊ में किया जाता है। साथ ही, यहां बनी दवाओं के नमूने भी जांच के लिए लखनऊभेजे जाते हैं।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053